PRN: MCN/329/2025-2027
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com

दैनिक स्वर्णिम प्रदेश

संरक्षकः मां वैष्णों देवी

* वर्षः 08 * अंक : 30 * मुंबई, शनिवार, 5 जुलाई 2025 * पेजः 6 * मूल्यः 2 रुपये * संपादकः सुनील कुमार तिवारी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।
संपर्कः ईमेलःswarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

त्रिनिदाद और घाना में सम्मानित हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वैश्विक नेतृत्व को मिली दोहरी मान्यता

संवाददाता

नई दिल्ली/त्रिनिदाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को त्रिनिदाद और टोबैगो के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता, भारतीय प्रवासी समुदाय से गहरे जुड़ाव और कोविड-१९ महामारी के दौरान किए गए मानवीय प्रयासों के लिए दिया गया है। इस सम्मान के साथ मोदी ऐसे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं जिन्हें इस कैरिबियाई राष्ट्र के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया। प्रधानमंत्री मोदी इस समय अपने पांच देशों के विदेश दौरे पर हैं और त्रिनिदाद और टोबैगो की यह दो दिवसीय यात्रा इस दौरे का दूसरा पड़ाव है। सम्मान मिलने के बाद मोदी ने प्रतिक्रिया दी।

'त्रिनिदाद और टोबैगो के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होकर मैं गौरवान्वित हूं। यह सम्मान मैं १४० करोड़ भारतीयों की ओर से स्वीकार करता हूं। त्रिनिदाद की प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर ने गुरुवार को इस सम्मान की घोषणा करते हुए कहा कि मोदी की यात्रा दोनों देशों के बीच 'साझा गौरव और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक' है। गौरतलब है कि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की १९९९ के बाद पहली द्विपक्षीय यात्रा है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने घाना की यात्रा की थी, जहां उन्हें 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' नामक राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया। विदेश मंत्रालय **(MEA)** के अनुसार, यह सम्मान उन्हें 'श्रेष्ठ राजनयिक नेतृत्व और प्रभावशाली वैश्विक भूमिका' के लिए प्रदान किया गया। मोदी की यह विदेश यात्रा एक ओर जहां भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम्' की नीति को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ा रही है, (**शेष पेज २ पर**)

प्रधानमंत्री के विदेश दौरे पर संजय राउत का हमला: भारत का विकास विदेश दौरे पर है, वाराणसी की सड़कें गड्ढों में

संवाददाता

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों अपने सबसे बड़े विदेश दौरे पर हैं, जो २ जुलाई से ९ जुलाई तक पांच देशों-घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो सहित में फैला हुआ है। इस यात्रा को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने तीखी आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कटाक्ष करते हुए लिखा, 'प्रधानमंत्री मोदी इस समय घाना, त्रिनिदाद आदि देशों के दौरे पर हैं, लेकिन उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सड़कों का यह हाल है! विदेशों में भारत के विकास का बखान करने वाले वाराणसी में यह हाल है!

भारत का विकास विदेश दौरे पर है! प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने कहा कि सोशल मीडिया पर वाराणसी की टूटी-फूटी सड़कों की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अपने ही चुनाव क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत कराने में असमर्थ हैं और 'विकास' केवल भाषणों और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक सीमित रह गया है। राउत ने व्यंग्य करते हुए कहा, 'यह 'विकास पुरुष' इन दिनों घाना और त्रिनिदाद जैसे महान देशों का दौरा कर रहे हैं, उनके राष्ट्रपति के साथ भोजन कर रहे हैं, लेकिन (**शेष पेज २ पर**)

मैंग्रोव वनों की रक्षा के लिए किसानों कोमिलेगा 'कार्बनक्रेडिट',अतिक्रमणकारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के समुद्र तटीय क्षेत्रों में किसानों और निजी क्षेत्र की ज़मीनों पर फैले मैंग्रोव वनों की रक्षा के लिए अब राज्य सरकार 'कार्बन क्रेडिट' जैसे प्रोत्साहन उपायों पर विचार कर रही है। पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने आज विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को सशक्त बनाकर मैंग्रोव संरक्षण में भागीदार बनाएगी।

यह बयान उस समय आया जब विधायक स्नेहा दुबे ने पालघर जिले में हो रहे मैंग्रोव वनों पर अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। चर्चा में विधायक मनीषा चौधरी, संजय केलकर और राजेंद्र गावित ने भी भाग लिया और राज्य में तेजी से घटते मैंग्रोव कवर पर चिंता जताई।

'मैंग्रोव सेल' करेगा निगरानी

मंत्री पंकजा मुंडे ने सदन को बताया कि राज्य में मैंग्रोव संरक्षण के लिए विशेष रूप से वन विभाग के अंतर्गत 'मैंग्रोव सेल' गठित किया गया है, जो इन वनों की संरक्षण, निगरानी और अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई का कार्य करता है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ने वाले कारकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। (**शेष पेज २ पर**)

एमएसएमई क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था का इंजन 2029 तक 10 करोड़ लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य: केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी

संवाददाता

मुंबई। भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र ने एक बार फिर देश की आर्थिक प्रगति में अपनी केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया है। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने शुक्रवार को मुंबई के सह्याद्री गेस्ट हाउस में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत वर्तमान में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, और एमएसएमई क्षेत्र इस स्थिति को २०२९ तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदलने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

एमएसएमई का आर्थिक योगदान

मंत्री मांझी ने बताया कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ३०.१ प्रतिशत, विनिर्माण में ३५.४ प्रतिशत और निर्यात में ४५.७३ प्रतिशत योगदान एमएसएमई क्षेत्र का है। यह क्षेत्र कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है और देश के ३४ करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर चुका है।

उद्यमिता को बढ़ावा और प्रशिक्षण

एमएसएमई विभाग कम निवेश वाले नए उद्यमियों को प्रोत्साहित करने, बैंक गारंटी, ऋण सहायता और प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि खादी ग्रामोद्योग के जरिए इस वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में १.७० करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है।

पीएम विश्वकर्मा योजना और रोजगार गारंटी

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत छोटे और पारंपरिक कारीगरों को १५,००० रुपये की शुरुआती सहायता के साथ १ लाख से ४ लाख रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। वहीं प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी योजना के तहत अब तक ८०.३३ लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जिसमें से ८० प्रतिशत रोजगार ग्रामीण क्षेत्रों में सृजित हुए हैं।

एससी-एसटी उद्यमियों के लिए 'राष्ट्रीय हब'

मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय एससी-एसटी हब के माध्यम से दलित और आदिवासी उद्यमियों को न केवल प्रशिक्षण, ऋण और बाजार उपलब्ध कराया (**शेष पेज २ पर**)

फडणवीस की विधानसभा चुनावी जीत को चुनौती देने वाली याचिका खारिज हाईकोर्ट से बड़ी राहत

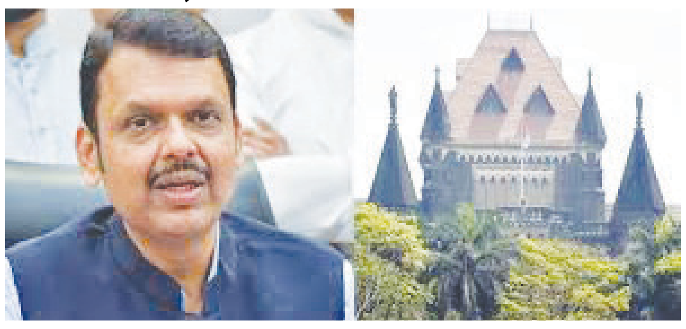

संवाददाता

नागपुर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शुक्रवार को २०२४ के विधानसभा चुनाव में नागपुर दक्षिण-पश्चिम सीट से उनकी जीत को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता प्रफुल्ल गुडधे की याचिका खारिज कर दी। गुडधे ने आरोप लगाया था कि चुनाव प्रक्रिया में कई अनियमितताएं हुईं और आवश्यक प्रावधानों का पालन नहीं किया गया, इसलिए फडणवीस का निर्वाचन रद्द किया जाना चाहिए। लेकिन न्यायमूर्ति प्रवीण पाटिल की एकल पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता याचिका दायर करते समय स्वयं उपस्थित नहीं थे, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत अनिवार्य है। गुडधे के वकील पवन दाहात ने बताया कि वे इस निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। अदालत ने शुक्रवार को भाजपा विधायकों मोहन मटे, सुधीर मुनगंटीवार, देवराव भोंगले और किरीटकुमार भांगडिया के निर्वाचन को चुनौती देने वाली चार अन्य (**शेष पेज २ पर**)

मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने स्कूल को बताया अपनी सफलता की जड़

संवाददाता

मुंबई। भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने एक सम्मान समारोह में अपने पूर्व विद्यालय होली नेम हाई स्कूल को अपनी सफलता की नींव बताते हुए कहा कि स्कूली जीवन हर व्यक्ति की यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि उनके जीवन की कई अमूल्य यादें इसी विद्यालय से जुड़ी हैं और यह उनके लिए गर्व का क्षण है कि आज उसी स्कूल को सम्मानित किया जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा, 'होली नेम स्कूल की शिक्षा, अनुशासन और संस्कृति ने मेरी अब तक की यात्रा में गहरा योगदान दिया है। यहीं से मैंने भारतीय संविधान के समानता के सिद्धांत को न केवल पढ़ा बल्कि उसे व्यवहार में महसूस भी किया। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता का मार्ग कठिन हो सकता है, लेकिन अगर कोई भी छात्र अपने करियर को लेकर गंभीर है तो उसे कड़ी मेहनत, ईमानदारी और जीतने की इच्छाशक्ति को अपना मूल मंत्र बनाना चाहिए। (**शेष पेज २ पर**)

'जय गुजरात' के नारे पर सियासी घमासान: शिंदे की अमित शाह के सामने भक्ति, तो शिवसेना (यूबीटी) का तीखा हमला, फडणवीस ने दी सफाई

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और शिवसेना शिंदे गुट के प्रमुख एकनाथ शिंदे की ओर से मंच से 'जय गुजरात' का नारा लगाने को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। शिंदे ने यह नारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में जयराज स्पोर्ट्स एंड कन्वेंशन सेंटर के उद्घाटन कार्यक्रम में दिया। उन्होंने मंच से गुजराती समाज की तारीफ करते हुए उन्हें 'लक्ष्मी के पुत्र' कहा और अमित शाह को नरेंद्र मोदी की छाया करार दिया।

शिंदे की अमित शाह पर स्तुति

शिंदे ने कहा, अमित शाह राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हैं, अनुच्छेद ३७० हटाने जैसे निर्णय उनकी दृढ़ इच्छा-शक्ति और रणनीतिक कौशल का प्रमाण हैं।' उन्होंने मंच से 'जय हिंद, जय महाराष्ट्र, जय गुजरात' कहकर भाषण का समापन किया।

शिवसेना (यूबीटी) की प्रतिक्रिया

इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) की नेता किशोरी पेडनेकर ने पूछा, 'क्या अब हमें हिंदी के साथ गुजराती भी सीखनी होगी? क्या बालासाहेब ठाकरे ने कभी 'जय गुजरात' कहा था?' उन्होंने इसे मराठी अस्मिता के खिलाफ बताया और शिंदे पर गुजरात की भक्ति का आरोप लगाया।

फडणवीस ने दी सफाई, विपक्ष पर पलटवार

मामले पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिंदे का बचाव करते हुए विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, 'विपक्ष जनता से कट चुका है, इसलिए ऐसे मुद्दों को हवा दे रहा है जिनका कोई जमीन पर महत्व नहीं है। फडणवीस ने शरद पवार का एक पुराना उदाहरण देते हुए कहा, 'जब पवार ने कर्नाटक में शिवाजी महाराज की प्रतिमा के उद्घाटन पर 'जय महाराष्ट्र, जय कर्नाटक' कहा था, तब किसी ने सवाल नहीं उठाया। तो क्या वह कर्नाटक से ज्यादा प्रेम कर बैठे थे? (**शेष पेज २ पर**)

एनडीए में थोरले बाजीराव पेशवा की प्रतिमा का अनावरण अमित शाह बोले- 'रणनीति, गति और विजय का जीवंत प्रतीक हैं बाजीराव'

संवाददाता

पुणे। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), पुणे के त्रिशक्ति गेट पर शनिवार को पहले बाजीराव पेशवा की अश्वारूढ़ प्रतिमा का अनावरण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने बाजीराव पेशवा को भारत के सैन्य इतिहास का अद्वितीय योद्धा बताते हुए कहा कि 'हर क्षेत्र में भारत को अग्रणी बनाए रखने की प्रेरणा और ऊर्जा हमें उनके जीवनचरित्र से मिलती है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोळ, मंत्री चंद्रकांत पाटील, थोरले बाजीराव प्रतिष्ठान अध्यक्ष एयर मार्शल (नि.) भूषण गोखले, दक्षिणी कमान प्रमुख ले. जनरल धीरज शेठ, एनडीए कमांडेंट वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह, सांसद मेधा कुलकर्णी व अन्य गणमान्य मौजूद थे।

'रणनीति और राष्ट्रभक्ति का पर्याय हैं बाजीराव': अमित शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने अपने भाषण में कहा कि बाजीराव पेशवा ने २० वर्षों के सैन्य जीवन में ४१ युद्ध लड़े और सभी में विजय प्राप्त की। 'वे केवल विजेता नहीं थे, बल्कि रणनीति, गति, समर्पण, बलिदान और देशभक्ति के शाश्वत आदर्श भी थे,' शाह ने कहा। पालखेड की लड़ाई को उन्होंने अद्वितीय रणनीतिक युद्ध बताया और कहा कि आज की सैन्य अकादमी में ऐसे योद्धाओं की स्मृति स्थलों का होना न केवल प्रेरक है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता और आत्मबल का संचार करता है।

'बाजीराव ने शिवाजी महाराज के स्वराज्य को विस्तार दिया': फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 'माँ जिजाऊ के संस्कारों में पले शिवाजी महाराज ने हिंदवी स्वराज्य की नींव रखी और बाजीराव पेशवा ने उस स्वराज्य को अफगानिस्तान से बंगाल तक विस्तार दिया। वे एक भी युद्ध नहीं हारे। उन्होंने कहा कि बाजीराव की सबसे बड़ी शक्ति थी 'गति'। जब मुगल सेना दिन में १० किलोमीटर चलती थी, तब बाजीराव की सेना ८० किलोमीटर प्रतिदिन युद्धभूमि की ओर बढ़ती थी। उन्होंने इतिहासकार मॉन्टगोमेरी का हवाला देते हुए कहा कि पालखेड युद्ध को उन्होंने इतिहास की श्रेष्ठतम सैन्य रणनीति माना। फडणवीस ने यह भी कहा कि वर्षों तक अंग्रेजों और पश्चिमी इतिहासकारों ने मराठाओं के इतिहास को दबाया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन गुमनाम नायकों को राष्ट्रीय मंच पर सम्मान मिल रहा है।

'एनडीए में प्रेरणा का प्रतीक बनेंगे बाजीराव'

कार्यक्रम में एयर मार्शल (नि.) भूषण गोखले ने जानकारी दी कि एनडीए परिसर में पहले से ही छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराजा रणजीत सिंह, नरवीर तानाजी मालुसरे जैसी विभूतियों की प्रतिमाएं हैं, जो कैडेट्स को इतिहास से जोड़ने और प्रेरणा देने का कार्य करती हैं। (**शेष पेज २ पर**)

संपादकीय

यह कैसा होता जा रहा हिंदू समाज?

अभी तक मुस्लिमों के विरुद्ध कहा जाता था कि चाचा, मौसा, चचेरे भाई के बीच निकाह करने वाली क़ौम कितनी पिछड़ी हुई है। लव जिहाद खूब प्रचारित किया गया। कहा जाता है, हिन्दू जातियों की लड़कियां फंसाने, उनका धर्म बदलने, निकाह करने के लिए हिंदू नाम, हिंदू पहचान, कलावा, माथे पर तिलक लगाकर हिंदू लड़कियों को फंसाने का खर्च, और उसके बाद निकाह कर धर्म बदलवाने का रेट तीन से सात लाख रुपए तय है। बात सत्य भी हो सकती है, लेकिन सवाल उठता है, हिन्दू लड़कियां ही क्यों लव जिहाद की शिकार होती हैं। बहुत ही कम घटनाएं सामने आई हैं जब कोई मुस्लिम लड़की किसी हिंदू लड़के के सत्व प्यार कर, धर्म बदलने के बाद वैदिक रूप से विवाह करती हैं, लेकिन चंद महीनों में हिंदुओं ने सारी लोकलाज, मर्यादाएं तार कर दी हैं। जिस देश में हिंदू समाज क्वारी कन्याओं के पैर की पूजा किया करता है, खासकर नवरात्र में यहां तक कि वैदिक रीति से विवाह के समय भी कन्या और वर पूजन की परंपरा आज भी है। उसी हिंदू समाज में आज रिश्ते या संबंध जो अति पवित्र माने जाते हैं, उसी हिंदू समाज में आज बाप अपनी बेटी से विवाह करता है। बाप-बेटी के रिश्ते को कलंक करने वाले बाप और बेटी को क्या कहा जा सकता है? मुसलमानों में कोई औरत दूसरे के नवजात शिशु को अपना दूध नहीं पिलाती है, क्यों कि दूध पिला देने के बाद लड़के-लड़की सगे भाई-बहन बन जाएंगे, तो फिर चचेरे भाई से निकाह कैसे होगा? चाचा-भतीजी से भी मुसलमानों में निकाह होता है, यह उनकी परंपरा है। तो इस पर सिर्फ इतना ही कहा जा सकता है कि कम से कम मां के दूध की इज्जत की जाती है मुस्लिम समाज में, लेकिन अब सगा बाप सगी अपनी ही बेटी से विवाह करने लगे हैं। बाप-बेटी के पवित्र बंधन की गरिमा जीर्ण-शीर्ण होने लगी है। सगा हिंदू भाई, जिसे उसकी बहन रक्षा सूत्र बांधकर अपने सम्मान की कामना करती है। ०

आज वही राखी बांधने वाली बहन और राखी बंधवाने वाले सगे भाई आपस में विवाह करने लगे हैं। सहेली के पति को छीनकर फिल्मों में शादियां होते देखी जाती थीं, लेकिन समाज में अब सहेली के पति से ही विवाह कर, सहेली का विश्वास तोड़ा जा रहा है। सगा चाचा अपने ही भाई की बेटी से विवाह करने लगे हैं। पहले केवल मुसलमानों में ऐसा किया जाता रहा है। यही नहीं, कन्या के पति को कन्या की माता-पिता के साथ पुत्रवत संबंध होते हैं, लेकिन अब तो हिंदू कन्याओं की माताश्री ही अपने दामाद संग भाग जाती हैं। हिंदुओं में अग्नि की साक्षी देकर सात फेरे और सात वचन लिए जाने की परम्परा है, लेकिन अब सास अपने ही बेटी के सुहाग का अपन सुहाग बनाने लगी हैं। क्या यह लोकलाज की मर्यादा हरण नहीं है? अभी हाल में ही कन्या ने अपने फूफा से शारीरिक संबंध बना लिए, लेकिन जब उसके माता-पिता को इस अनैतिक संबंध का पता चलता है तो वे अपनी बेटी के लिए दूसरा वर तलाशते हैं। लेकिन सात दिन भी सुहागरात हुए नहीं बीत पाते कि पत्नी अपने फूफा के साथ मिलकर दो शूटर हायर करके अपने पति को गोलियों से मरवाकर हत्या कर देती है। पिछले तीन महीनों में ही देश में पचासों हत्याएं प्रेम-प्रपंच में पढ़कर की या कराई जाने लगी हैं। यह किसी एक राज्य की बात नहीं, बल्कि समूचे देश की समस्या है। जब भारत जैसे देश में हिंदू पति-पत्नी के संबंध में कहा जाता है कि विवाह ऊपर से लिख दिया जाता है, जहां जिससे विवाह होना विधाता ने लिख दिया, उसी के साथ विवाह होता है। तो यहां सवाल यह उठता है कि जिन हिंदू पत्नियों ने अपने नाजायज रिश्ते के लिए अपने पति की हत्या की या कराई है, क्या उसे कलंकिनी नहीं कहा जायेगा?

विवाह का बंधन हिंदुओं में जन्म-जन्म का बंधन माना जाता रहा है। उसी देश में पत्नियां अपने पति की हत्या करने लगे, तो क्या कहेंगे? किसी से प्यार है, तो अपने माता-पिता को बताना चाहिए। अगर माता-पिता नहीं मानते, तो भागकर अपने प्रेमी के साथ कोर्ट में भी तो विवाह कर सकती हैं। आखिर किसी व्यक्ति, जो किसी का बेटा है, भाई है। शादी के पहले ही मना करना चाहिए, न कि शादी के तुरंत बाद पति की हत्या कर देनी चाहिए। ऐसी लड़कियां वेश्याओं से भी गई-गुजरी होती हैं, जो वास्तविकता छुपाकर विवाह तो कर लेती हैं, लेकिन चंद दिनों में पति की हत्या करवा देती हैं। ऐसी महिलाओं को जीने के कोई अधिकार ही नहीं है। कई ऐसे मामले भी आए हैं जब पति को अपनी पत्नी के अनैतिक रिश्ते की खबर मिलती है, तो पति पत्नी का उसके प्रेमी से सहर्ष विवाह करवा देता है। किसी भी संबंध को छुपाकर दूसरे लड़के से विवाह कर, पति की हत्या कराने वाली लड़कियों को सीधे फांसी पर लटकने का दंड दिया जाना चाहिए। यही नहीं, दादी अपनी उम्र के तिहाई पोते को भगा ले जाने लगी हैं। शायद यही कलियुग की पहचान है। चिंता तो तब होती है जब नारी अधिकारों की बात करने, भीषण भाषण देने वाली महिला संगठनों के मुंह पर ताला क्यों लग जाता है जब कोई निर्दोष पति की हत्या कर दी जाती है। दुखद यह भी है कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा देने वाली सरकार और उसके नेताओं के मुंह में दही क्यों जम जाती है जब कोई पुरुष बिना गुनाह के मार दिया जाता है। लड़कियों, महिलाओं के लिए कानून बनाने वाली सरकार कब पुरुषों की सुरक्षा के लिए कानून बनाएगी? इस भारतीय समाज को क्या कहें कि जैसे ही कोई लड़की किसी पुरुष पर झूठा इलज़ाम लगाती है, तो वहां जुटी मर्दों की मर्दानगी, सच जानने की कोशिश नहीं करके निर्दोष पुरुष को ही पीट-पीटकर मार डालने में ही अपनी मर्दानगी का परिचय देने लगते हैं। पता नहीं समाज को कब समझ आएगी? आएगी भी या कभी भी नहीं समझ आएगी कि हर बार, हर जगह पुरुष ही कसूरवार नहीं होता। दहेज कानून सरकार ने बना दिया, बस अपने कर्मों की इतिश्री मान लिया। जनता की भारी सेवा कर ली। क्यों नहीं निर्दोष पुरुष को बचाने के लिए कानून बनाए जाते? दहेज के नाम पर ९९.९९ प्रतिशत केस फर्जी और ससुराल वालों को फंसाकर बर्बाद करने के प्रमाण खुद एजेंसी ने दिए हैं। आखिर कब पुरुषों को नारी द्वारा की जाने वाली शारीरिक, मानसिक हिंसा के विरुद्ध संसद कानून बनाएगी? अब यह बात छुपी नहीं रही है कि महिलाएं अपने लिए कानून बनाए जाने से निर्भीक होकर अपने पतियों पर जुल्म करने लगी हैं। दहेज हत्या में भी महिलाओं का ही बड़ा हाथ होता है। वही बहू को ताने मारती है। 'क्या देता इसका बाप, महा दरिद्र है।' यह तो उनकी मति ही मारी गई थी, जो लाखों रूपये दहेज आभूषण देने वाले की बेटी से शादी नहीं कराई।

पेज 1 का शेष...

त्रिनिदाद और घाना में सम्मानित...

वहीं दूसरी ओर, यह भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ भारत के रिश्तों को भी नई ऊर्जा दे रही है। विश्लेषकों का मानना है कि इन दो राष्ट्रीय सम्मानों के जरिए मोदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही मान्यता से भारत की 'सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी' को मजबूती मिलेगी। इस यात्रा का अगला पड़ाव सूरीनाम, फिजी और जापान है, जहां मोदी क्षेत्रीय सहयोग, निवेश, जलवायु परिवर्तन और प्रवासी मुद्दों पर वार्ता करेंगे।

प्रधानमंत्री के विदेश दौरे पर संजय...

बनारस की जनता उन्हें ढूंढ रही है। जब प्रधानमंत्री हेलिकॉप्टर से आते हैं तो उन्हें यह गड्ढे नजर कैसे आएंगे? यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब वाराणसी जिले में लगातार बारिश के चलते सड़कों की हालत बेहद खराब हो गई है। शहर के कई हिस्सों में सड़कें धंस गई हैं और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। गुरुवार को गिल्ट बाजार चौराहे पर स्कूल के सामने सड़क के बीचोंबीच करीब १० फीट गहरा गड्ढा बन गया, जिससे स्थानीय लोगों में डर और प्रशासन के प्रति गुस्सा दोनों देखने को मिला। पुलिस ने आनन-फानन में बैरिकेड्स लगाए, लेकिन बारिश के मौसम में इस तरह की हालात बेहद चिंताजनक हैं। विपक्ष का कहना है कि यह सरकार की प्राथमिकताओं की असल तस्वीर है—जहां ग्लोबल इमेज चमकाने के चक्कर में स्थानीय ज़रूरतें उपेक्षित हो रही हैं।

मैंग्रोव वनों की रक्षा के लिए...

अतिक्रमण पर कानूनी शिकंजा

पर्यावरण मंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में अब तक ऐसे १९ मामलों में प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें मैंग्रोव भूमि पर अवैध निर्माण या अतिक्रमण किए गए थे। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार मैंग्रोव वनों की कानूनी और पारिस्थितिकीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

किसानों को 'ग्रीन गार्जियन' बनाएगी सरकार

मंत्री मुंडे ने संकेत दिया कि मैंग्रोव वनों की रक्षा करने वाले किसानों और भूमि मालिकों को भविष्य में 'कार्बन क्रेडिट' के माध्यम से आर्थिक प्रोत्साहन दिया जा सकता है। यह कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगा बल्कि किसानों को आय का वैकल्पिक स्रोत भी प्रदान करेगा।

एमएसएमई क्षेत्र भारत की...

जा रहा है, बल्कि सरकार स्वयं उनकी उत्पादित वस्तुओं की ३,५०० करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी भी कर चुकी है।

तकनीकी प्रशिक्षण और टूल रूम सुविधा

एमएसएमई मंत्रालय द्वारा मुंबई और छत्रपति संभाजीनगर में संचालित टूल रूम और तकनीकी केंद्रों में अब तक २२,४४० बेरोजगार युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मंत्री मांझी ने घोषणा की कि २०२९ तक १० करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगारोन्मुखी बनाया जाएगा। बड़े उद्योगों के लिए ५ करोड़ रुपये तक की क्रेडिट गारंटी योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित बेरोजगार युवाओं को सहयोग दिया जा रहा है। साथ ही महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्थानीय स्तर पर उद्यम स्थापित करने में सहयोग देने के लिए भी विशेष योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

फडणवीस की विधानसभा...

याचिकाएं भी इसी आधार पर खारिज कर दीं। विस्तृत आदेश की प्रति बाद में उपलब्ध होगी। गौरतलब है कि २०२४ के चुनाव में महायुति गठबंधन को बहुमत मिला था, जिसमें भाजपा को १३२, शिवसेना (शिंदे गुट) को ५७ और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) को ४१ सीटें मिली थीं, जबकि महा विकास अघाड़ी को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

मुख्य न्यायाधीश भूषण...

श्री गवई ने यह भी साझा किया कि उन्होंने अपने पिता की इच्छा को मानते हुए कानूनी क्षेत्र में करियर बनाने का फैसला लिया, और आज वे उसी राह पर सर्वोच्च मुकाम तक पहुंचे हैं। इस अवसर पर मुंबई के आर्कबिशप जॉन रोडरिक्स ने भी गर्व और खुशी प्रकट की। उन्होंने कहा, 'यह हमारे स्कूल के लिए अत्यंत सम्मान की बात है कि हमारे एक पूर्व छात्र आज देश की न्यायपालिका में सर्वोच्च पद को सुशोभित कर रहे हैं। वे हमारे हर छात्र के लिए प्रेरणा हैं।

'जय गुजरात' के नारे पर...

'मराठी अस्मिता' या 'राष्ट्रीय एकता'?

फडणवीस ने जोर देकर कहा कि 'हम पहले भारतीय हैं। कोई भी नेता जब किसी राज्य में जाता है, वहां की संस्कृति और भाषा का सम्मान करता है, यह क्षेत्रीय वफादारी की परीक्षा नहीं, बल्कि भारतीयता का सम्मान है।एकनाथ शिंदे की 'जय गुजरात' टिप्पणी ने राजनीतिक हलकों में गर्मी ला दी है। जहां विपक्ष इसे मराठी अस्मिता पर हमला बता रहा है, वहीं सरकार इसे भारतीय एकता और विविधता के सम्मान के रूप में देख रही है। यह बहस महज एक नारे से शुरू हुई, लेकिन इसके निहितार्थ २०२४-२५ की महाराष्ट्र राजनीति में बड़े विमर्श की भूमिका निभा सकते हैं।

एनडीए में थोरले बाजीराव...

राज्यसभा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि बाजीराव पेशवा की वीरगाथा केवल भारत में नहीं, विश्व की भाषाओं में जानी जानी चाहिए। यह प्रतिमा भारत के पराक्रम, प्रतिरोध और आत्मबल का प्रतिनिधित्व करती है।

एल.आई.सी

भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो.9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जांचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक **स्वर्णिम प्रदेश** के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाए या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर दिशा का संबंध भगवान कुबेर व धन की देवी मां लक्ष्मी से है। इसलिए उत्तर दिशा को धन व समृद्धि की दिशा माना गया है। मान्यता है कि इस दिशा में धन रखने से आर्थिक लाभ होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

जानिए ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री से आज का राशिफल

09594318403/9820819501

मेष: आज भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

वृषभ: आज कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि भी आशंका है।

मिथुन: आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें। आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

कर्क: आज अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें। प्रमाद न करें।

सिंह: आज कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें।

कन्या: आज यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

तुला: आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें।

वृश्चिक: आज बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

धनु: आज आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रमाद न करें।

मकर: आज मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें।

कुंभ: आज आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है।

मीन: आज रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। कार्यभार व अधिकार में वृद्धि हो सकती है।

मानसून की मार : उत्तराखंड में राफ्टिंग-सफारी पर तीन महीने का ब्रेक, 15 सितंबर से फिर खुलेगी गंगा

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून की पहली बौछार के साथ ही राज्य के साहसिक पर्यटन पर अस्थायी विराम लग गया है। राफ्टिंग, जंगल सफारी, ट्रेकिंग जैसे साहसिक खेलों पर मानसून का सीधा असर पड़ा है। बारिश के चलते नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है, नदियां मटमैली हो गई हैं और उनका रौद्र रूप सामने आने लगा है, जिससे पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने राफ्टिंग और नेशनल पार्क सफारी पर अस्थायी रोक लगा दी है।

गंगा में थमी रोमांच की रफ्तार: ऋषिकेश में राफ्टिंग पर प्रतिबंध

ऋषिकेश में हर साल लाखों पर्यटक गंगा की लहरों में राफ्टिंग का लुत्फ उठाने आते हैं। लेकिन मानसून के मौसम में जलस्तर बढ़ने और पानी में मलबा आने के कारण प्रशासन ने राफ्टिंग पर रोक लगा दी है। इस सीजन (मार्च-जून) में ही २,६४,३८० पर्यटक राफ्टिंग का रोमांच ले चुके थे। अब यह गतिविधि १५ सितंबर तक बंद रहेगी। टिहरी के एसपी जेआर जोशी ने कहा, 'पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नदियों में बहाव बहुत तेज है और राफ्टिंग करना खतरनाक हो सकता है। पुलिस प्रशासन ने घाटों पर मुनादी कर लोगों से सावधानी बरतने की अपील भी की है।

नेशनल पार्कों में भी ताले: कॉर्बेट, राजाजी और गंगोत्री पार्क बंद

बारिश सिर्फ नदियों को ही नहीं, जंगलों को भी खतरनाक बना देती है। कॉर्बेट नेशनल पार्क, राजाजी नेशनल पार्क, शिवालिक, गंगोत्री और अन्य संरक्षित क्षेत्र इस समय पर्यटकों के लिए पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं। कॉर्बेट पार्क की ढिकाला, बिजरानी, झिरना, ढेला और गर्जिया रेंज बंद हो चुकी हैं, जिन्हें अब १५ अक्टूबर के बाद ही खोला जाएगा। जंगलों में बारिश के दौरान बाढ़ की स्थिति बन जाती है, कई जगह सड़कों का नामोनिशान मिट जाता है। इसलिए प्रशासन ने इन पार्कों को बंद रखने का निर्णय लिया है ताकि किसी भी प्रकार की जानमाल की हानि

न हो। इस बार के पर्यटन सीजन में करीब १ लाख पर्यटक कॉर्बेट पार्क और हजारों लोग राजाजी पार्क पहुंचे थे। लेकिन अब बारिश के चलते इन इलाकों में सन्नाटा छा गया है।

सैलानियों के कदम थमे, होटल व्यवसाय पर असर

मानसून के कारण ऋषिकेश, चंपावत, रामनगर जैसे प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। होटल, होमस्टे, कैंप और एडवेंचर कंपनियों को अब तीन महीने का इंतजार करना होगा। पर्यटन से जुड़ी स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इससे झटका लगता है।

क्या करें मानसून में? लैंसडाउन, चकराता जैसे शांत हिल स्टेशनों का रुख करें

यदि आप मानसून के समय उत्तराखंड घूमने की योजना बना रहे हैं, तो लैंसडाउन, धनोल्टी, चकराता जैसे स्थान अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ये क्षेत्र भूस्खलन से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होते हैं और यहां की हरियाली और शांति मानसून में भी मोहक रहती है।

ऋषिकेश में भी ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां आप योग, ध्यान और आध्यात्मिक पर्यटन का अनुभव ले सकते हैं। इसके अलावा देहरादून और आसपास के इलाकों में भी प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद सुरक्षित रूप से लिया जा सकता है। उत्तराखंड में मानसून के महीने प्राकृतिक सुंदरता तो भरपूर लाते हैं, लेकिन साहसिक पर्यटन गतिविधियों के लिए यह समय विराम का होता है। १५ सितंबर के बाद राफ्टिंग और १५ अक्टूबर से नेशनल पार्क सफारी फिर से शुरू होंगी। तब तक पर्यटकों को विकल्पों पर ध्यान देना चाहिए और मौसम की जानकारी लेकर यात्रा की योजना बनानी चाहिए।

व्यंग्य: पेरेंट टीचर मीटिंग बोले तो फैशन फेस्टिवल

सुधाकर आशावादी

समाज में सारा खेल दिखावे का है। अब कोई अपने लिए नहीं जीता, औरों के बीच अपनी अहमियत दिखाने के लिए जीता है। इस दिखावे की दौड़ में कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है, जो इससे अछूता हो। आजकल के अभिभावक अपनी संतानों के प्रति अधिक सतर्क हैं। खान पान से लेकर पढ़ाई तक संतानों का पूरा ख्याल रखते हैं। पुराने अभिभावकों की तरह नहीं कि एक बार सरकारी स्कूल में बालक का नाम लिखा दिया, फिर कभी संतान की सुध लेने नहीं गए। स्कूल में मिड डे मील में क्या खाना मिल रहा है क्या नहीं, इससे अभिभावकों को कोई सरोकार नहीं होता था। यह वह दौर था, कि जब अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम) हेतु कोई विशेष दिवस निर्धारित नहीं हुआ करता था। बेसिक शिक्षा परिषद या म्युनिसिपल स्कूल के हेडमास्टर साहब जब चाहते बालक से ही उसके अभिभावकों को बुलावा देकर बुला लिया करते थे।

शिक्षक बालक की कमजोरियां गिनाया करते थे, अभिभावक शिक्षक महोदय को बालक की शैतानियों से अवगत कराया करते थे। उसके बाद गली मोहल्लों में कॉन्वेंट स्कूलों की तर्ज पर बने स्कूलों में पेरेंट टीचर मीटिंग के आयोजन होने लगे, जिनमें बच्चों

के अभिभावक एक दूसरे के सम्मुख बैठकर बालक की शैक्षिक स्थिति की चर्चा करने लगे।

यहाँ तक तो सब कुछ ठीक था। फैशन के युग में जब से बालकों को कॉन्वेंट स्कूलों में पढ़ाना स्टेटस सिंबल बन गया, तो पीटीएम भी आधुनिक हो गई। पीटीएम के आधुनिक होने से सामान्य और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए नई समस्या उत्पन्न हो गई। पीटीएम किसी विशिष्ट समारोह से बढ़कर प्रतीत होने लगी। जैसे विवाह उत्सवों में एक बार पहने हुए परिधान बार बार नहीं पहने जाते, वैसे ही हर बार एक ही प्रकार के परिधान पहनकर पीटीएम में भाग लेना बालकों की मम्मियों को नागवार गुजरने लगा। अब पीटीएम में भाग लेने से पहले पीटीएम की तैयारियां करना भी मम्मियों की मज़बूरी बन गया। नए नए फैशन के परिधानों की शॉपिंग पीटीएम से पहले की जाने लगी। पीटीएम स्थल पर बालकों की प्रोग्रेस की कम और मम्मियों के परिधानों पर अधिक चर्चा होने लगी। पीटीएम में भाग लेने आने वाली मम्मियां एक दूसरे के परिधानों को अपनी आँखों के कैमरे में कैद करने लगी। इतना ही नहीं, शॉपिंग मॉल की लोकेशन का आदान प्रदान करने में भी मम्मियों को कोई हिचक नहीं हुई।

विशिष्ट परफ्यूम से महकने वाली मम्मियां एक दूसरे के परफ्यूम की गंध महसूस कर तुलनात्मक अध्ययन करने लगी कि अमुक की मम्मी का परफ्यूम अमुक की मम्मी के परफ्यूम से अच्छा क्यों है। टीचर्स भी उन्ही मम्मियों से अधिक प्रभावित होते हैं, जो ब्यूटी पार्लर से विशिष्ट हेयर स्टाइल बनवाकर और फेस मसाज करा कर पीटीएम में सम्मिलित हुई हों। सामान्य परिधानों में आने वाली मम्मियों की बात सुनना तो दूर टीचर्स उनकी ओर देखना भी पसंद नहीं करती। आजकल की पीटीएम देखकर लगता है कि जैसे पेरेंट्स टीचर मीटिंग बच्चों की प्रोग्रेस रिपोर्ट के लिए नहीं, अपितु टीचर्स अभिभावकों के लिए आयोजित फैशन शो का मंच बन गई हो।

एफडीए की प्रणाली को सशक्त बनाने हेतु राज्य सरकार ने उठाए ठोस कदम: विधानसभा में बोले मंत्री नरहरि जिरवाल

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में खाद्य सुरक्षा और प्रतिबंधित पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) मंत्री नरहरि जिरवाल ने बताया कि राज्य सरकार ने निरीक्षण प्रणाली को अधिक सक्षम, आधुनिक और प्रभावी बनाने हेतु कई ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि खाद्य निरीक्षण प्रणाली को सशक्त करने के लिए विभाग में हाल ही में १८९ अधिकारियों की भर्ती की गई है, जिनका प्रशिक्षण वर्तमान में चल रहा है।

विधायक श्वेता महाले द्वारा प्रस्तुत रुचि के बिंदु पर हुई चर्चा में सदस्यों विक्रम पाचपुते, प्रवीण दटके, मनोज घोरपड़े, कृष्णा खोपड़े, रमेश बोरनारे, मुरजी पटेल, नारायण कुचे, अनंत नार और मनीषा चौधरी ने भाग लिया। इस पर जवाब देते हुए मंत्री जिरवाल ने बताया कि राज्य सरकार की नीति है कि प्रत्येक विभाग में अलग प्रयोगशाला हो, और इसी दिशा में वर्तमान में तीन प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं, जबकि तीन अन्य का निर्माण कार्य प्रगति पर है। खाद्य पदार्थों की जांच की संख्या बढ़ाने हेतु निजी प्रयोगशालाओं को अनुबंधित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है और इसके लिए केंद्र सरकार से अनुमति भी मांगी गई है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स की निगरानी और स्कूल-कॉलेज परिसरों में गुटखा जैसे प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस विभाग के साथ समन्वय कर विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। मंत्री ने यह भी बताया कि ऑनलाइन खाद्य विक्रेताओं पर नियंत्रण रखने और उपभोक्ता शिकायतों के समाधान के लिए टोल-फ्री नंबर १८००-१८००-३६५ शुरू किया गया है।

१ अप्रैल २०२५ से ३१ मई २०२५ के बीच राज्य में की गई कार्रवाई के दौरान ५३ मामलों में कुल ३.२९ करोड़ मूल्य की प्रतिबंधित खाद्य सामग्री जब्त की गई है। इसके साथ ही १० वाहन जब्त किए गए और १४ प्रतिष्ठानों को सील किया गया। मंत्री जिरवाल ने कहा कि गुटखा, सुगंधित तंबाकू, पान मसाला, सुगंधित सुपारी जैसे प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों के उत्पादन, बिक्री, वितरण, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध नियमित रूप से सख्त कार्रवाई की जा रही है।

घाटकोपर में आरोपी ने पुलिस पर हमला कर खुद को किया घायल

संवाददाता

मुंबई। नशीले पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए नियमित गश्त के दौरान घाटकोपर पुलिस को एक अप्रत्याशित और चौंकाने वाली स्थिति का सामना करना पड़ा, जब एक ४१ वर्षीय व्यक्ति शब्बीर इकबाल शेख ने न केवल पुलिसकर्मियों पर हमला किया, बल्कि ब्लेड से खुद को भी घायल कर लिया। घटना ३ जुलाई को दोपहर करीब २ बजे घाटकोपर के नित्यानंद नगर स्थित वैतागवाड़ी इलाके में हुई। पुलिस के अनुसार, घाटकोपर पुलिस स्टेशन का एक कांस्टेबल और महाराष्ट्र सुरक्षा बल (एमएसएफ) का एक जवान एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के लिए गश्त कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने एक ऑटो-रिक्शा में बैठे संदिग्ध व्यक्ति को देखा और पूछताछ के लिए उसके पास गए। लेकिन जैसे ही पुलिसकर्मी बातचीत शुरू करने लगे, शब्बीर शेख अचानक उग्र हो गया। उसने पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज की और उन्हें अपने भाई को छूने पर जान से मारने की धमकी दी। बात यहीं नहीं रुकी।

उसने एक ब्लेड निकाली, जो उसने पास की एक दीवार के पीछे छिपाकर रखी थी, और अपनी गर्दन और शरीर पर वार करने लगा। इतना ही नहीं, उसने कांस्टेबल की वर्दी का कॉलर पकड़कर उसे धक्का दे दिया, जिससे पुलिसकर्मी के बाएं हाथ में चोट आई। पुलिस टीम ने तुरंत स्थिति पर नियंत्रण पाते हुए शेख को इलाज के लिए राजावाड़ी अस्पताल पहुंचाया। इस सनसनीखेज घटनाक्रम के बाद शेख के खिलाफ आईपीसी की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है, जिसमें सरकारी कर्मचारी को ड्यूटी से रोकने, आपराधिक धमकी देने, और जानबूझकर खुद को नुकसान पहुंचाने जैसी गंभीर धाराएं शामिल हैं। घाटकोपर पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

OctaFX मनी लॉन्ड्रिंग केस: ईडी ने स्पेन में यॉट, विला समेत 131.45 करोड़ रुपए की संपत्तियाँ कुर्क कीं

संवाददाता

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनधिकृत विदेशी मुद्रा ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ऑक्टाएफएक्स **(OctaFX)** के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए १३१.४५ करोड़ रुपए की संपत्तियों को धनशोधन निवारण अधिनियम **(PMLA)** के तहत अनंतिम रूप से कुर्क किया है। इन संपत्तियों में स्पेन स्थित दो लक्ज़री विला, एक इटालियन वाणिज्यिक नौका (यॉट), एक मिनी जेट नाव और एक हाई-एंड प्रीमियम कार शामिल है, जो कथित तौर पर ऑक्टाएफएक्स के कथित मास्टरमाइंड पावेलप्रोजोरोव से जुड़ी हैं। ईडी के अनुसार, प्रोजोरोव ने भारत में नकली ई-कॉमर्स कंपनियों, फर्जी केवाईसी दस्तावेज़ों और डमी निदेशकों के माध्यम से निवेशकों से धन एकत्र किया और शेल कंपनियों व जटिल लेनदेन नेटवर्क के जरिए उसे विदेश भेजा।

ये फंड स्पेन, रूस, एस्टोनिया, हांगकांग, सिंगापुर, यूएई और यूके जैसे देशों में ट्रांसफर किए गए। ऑक्टाएफएक्स पर आरोप है कि उसने बिना आरबीआई की अनुमति के भारत में विदेशी मुद्रा ट्रेडिंग की, सोशल मीडिया, आईपीएल प्रायोजन और सेलिब्रिटी प्रचार के ज़रिए अपने प्लेटफॉर्म को बढ़ावा दिया और निवेशकों को आकर्षित किया। जांच में सामने आया कि यह प्लेटफॉर्म फर्जी ट्रेडिंग डेटा, डोमेन में बदलाव और छद्म ई-वॉलेट्स के माध्यम से निवेशकों को भ्रमित करता रहा और ट्रेडों में हेराफेरी की। ईडी का अनुमान है कि **OctaFX** ने भारत में केवल नौ महीनों में ८०० करोड़ रुपए की आपराधिक आय अर्जित की, जिसे प्रोजोरोव की नियंत्रित विदेशी कंपनियों को 'सेवाओं के आयात' के नाम पर भेजा गया।

दूसरी ओर, **OctaFX** ग्लोबल ने फ्री प्रेस जर्नल से बातचीत में सभी आरोपों से इनकार किया है और पावेल प्रोजोरोव से किसी भी तरह के संबंध को नकारते हुए कहा है कि स्पेन में कुर्क की गई संपत्तियों से उनका कोई लेना-देना नहीं है और न ही उन्हें स्पेन की सरकार से कोई कानूनी सूचना प्राप्त हुई है। ईडी की यह कार्रवाई अनधिकृत विदेशी मुद्रा लेनदेन, हवाला नेटवर्क और वित्तीय अपराधों के खिलाफ केंद्र सरकार के बढ़ते शिकंजे की अहम कड़ी मानी जा रही है।

धर्मार्थ अस्पतालों में बिस्तर आरक्षण का दुरुपयोग विधायक सना मलिक-शेख ने विधानसभा में उठाया गंभीर मुद्दा

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के अणुशक्तिनगर से विधायक सना मलिक-शेख ने मुंबई के धर्मार्थ अस्पतालों में गरीब और वंचित मरीजों के लिए निर्धारित मुफ्त एवं सब्सिडी वाले बिस्तरों के दुरुपयोग का मुद्दा विधानसभा में ज़ोरदार ढंग से उठाया। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार से रियायती ज़मीन और कर छूट जैसी सुविधाएं लेने वाले इन अस्पतालों की जवाबदेही लगातार शिथिल हो रही है।

उन्होंने इंडिया सीएसआर और विकास ग्लोबल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा २०२३-२४ में किए गए सर्वेक्षण के आंकड़े साझा किए, जिनमें यह सामने आया कि बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) रोगियों के लिए ७१ प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए ९२प्रतिशत बिस्तर आरक्षित हैं, जबकि आईपीएस कोटे के लिए मात्र २ प्रतिशत। इसके बावजूद इन बिस्तरों का उपयोग वास्तविक ज़रूरतमंदों को नहीं मिल पा रहा है। एसएल रहेजा, ब्रीच कैंडी और मसिना अस्पतालों जैसे प्रतिष्ठानों के ९५ प्रतिशत बिस्तर ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए नामांकित हैं, फिर भी आम गरीब मरीजों को दाखिला नहीं मिल पाता।

मलिक-शेख ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा २०२४ में शुरू किए गए डिजिटल पोर्टल की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठाया और मांग की कि इसकी सार्वजनिक पहुँच सुनिश्चित की जाए ताकि पारदर्शिता बढ़े।

उन्होंने पूछा कि क्या यह पोर्टल वास्तविक समय में खाली बिस्तरों की जानकारी देगा और क्या अस्पतालों को बाहर सूचना पट लगाकर मुफ्त सेवाओं की जानकारी देने के लिए बाध्य किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि डिजिटल सुविधाओं से वंचित गरीब मरीजों को इन लाभों तक पहुँचाने के लिए सरकार क्या उपाय कर रही है। उन्होंने सरकार से अधिक पारदर्शिता, सख्त निगरानी, जन-जागरूकता अभियान और सार्वजनिक निगरानी तंत्र की मांग की ताकि धर्मार्थ अस्पतालों को उनके संवैधानिक और सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के लिए बाध्य किया जा सके। विधायक की इस पहल ने मुंबई और राज्य के अन्य हिस्सों में स्वास्थ्य सेवाओं की समानता, जवाबदेही और सुलभता को लेकर एक अहम बहस को जन्म दिया है।

जयपुर-मुंबई ट्रेन हत्याकांड: चेतन सिंह मानसिक रूप से स्वस्थ घोषित मुकदमा फिर होगा शुरू

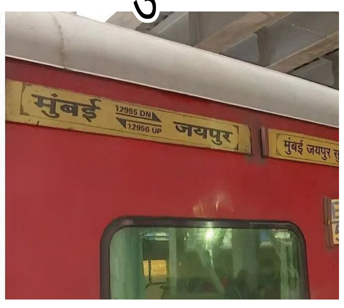

संवाददाता

मुंबई। जुलाई २०२३ में जयपुर-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस में चार यात्रियों की हत्या के आरोपी आरपीएफ कांस्टेबल चेतन सिंह चौधरी अब मानसिक रूप से स्वस्थ घोषित किए गए हैं, जिससे उनके खिलाफ मुकदमा दोबारा शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। मानसिक स्वास्थ्य समीक्षा बोर्ड **(MHRB)**, ठाणे ने मंगलवार को सत्र अदालत को ईमेल के जरिए सूचित किया कि चेतन अब मानसिक रूप से स्थिर, सहयोगी और सामाजिक रूप से अनुकूल व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने नियमित दिनचर्या, स्थिर नींद और भूख के संकेत भी दिखाए हैं। यह रिपोर्ट आने के बाद अदालत ने सरकारी वकील सुधीर सपकाले से पूछा कि क्या अब चेतन को अदालत में पेश करने के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी किया जा सकता है। हालांकि, बचाव पक्ष के वकील जयवंत पाटिल ने अदालत से थोड़ा समय मांगा ताकि वे चेतन के परिवार से परामर्श कर उसकी स्थिति की पुष्टि कर सकें। दिसंबर २०२३ में चेतन की मानसिक स्थिति बिगड़ने पर अकोला जेल प्रशासन ने उन्हें नासिक मानसिक अस्पताल स्थानांतरित करने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने उन्हें ठाणे सेंट्रल जेल भेजकर मानसिक आकलन के निर्देश दिए।

२० फरवरी को उन्हें ठाणे मानसिक अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां एमआरआई स्कैन में मस्तिष्क में कई माइक्रोइन्फार्क्ट पाए गए थे। अप्रैल में उन्हें छुट्टी के लिए अयोग्य माना गया, लेकिन ताज़ा मूल्यांकन में उनके स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार पाया गया। इस मामले की अगली सुनवाई १७ जुलाई को होगी, जिसमें चेतन के खिलाफ मुकदमा फिर शुरू करने और प्रोडक्शन वारंट जारी करने पर निर्णय लिया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि चेतन सिंह ने ट्रेन के बी५ कोच, पेंट्री कार और एस६ कोच में चार यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मीरा रोड स्टेशन के पास आपातकालीन चेन खींचे जाने पर वह हथियार सहित पकड़ा गया था।

74 किलो गांजा बरामद, तीन गिरफ्तार

संवाददाता

ठाणे। ठाणे क्राइम ब्रांच ने गांजा तस्करी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए ७४ किलो ५४८ ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कुल बाजार कीमत ३७.३७ लाख रूपए आंकी गई है। मामले में मुख्य आरोपी फैजल अंसारी (४४) सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी ३ जुलाई को भिवंडी के मोमिनबाग दरगाह रोड इलाके में की गई, जहां आरोपी प्रतिबंधित मादक पदार्थ की डिलीवरी के इरादे से मौजूद थे।

ठाणे के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमरसिंह जाधव ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई एसीपी शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में की गई। भिवंडी यूनिट के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनावणे के नेतृत्व में सहायक निरीक्षक धनराज केदार, श्रीराज माली और उपनिरीक्षक रवींद्र पाटिल की टीम ने यह जाल बिछाया। मुख्य आरोपी फैजल अंसारी के साथ अब्दुल अंसारी (२०) और अनवर अंसारी को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि फैजल अंसारी गांजे की तस्करी के लिए उस क्षेत्र में आने वाला है। टीम ने तत्परता से इलाके में घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को धर दबोचा। अनवर अंसारी के घर के बरामदे से भी गांजे की बड़ी खेप बरामद की गई। भिवंडी के भिवाड़ा पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी जाधव ने बताया कि गांजा कहां से आया और इस तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है, इसकी गहराई से जांच जारी है। पुलिस इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने की कोशिश में है।

विशेष अदालत ने मालेगांव मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपी को जेल में उचित जैन भोजन देने का दिया निर्देश

संवाददाता

मुंबई। मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत ने मालेगांव मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी अहमदाबाद के व्यापारी रितेश शाह को जेल में उनके धार्मिक आस्थाओं के अनुरूप उचित जैन भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश जेल अधिकारियों को दिया है। शाह ने मई २०२५ में अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए कहा था कि १४ मई को अदालत द्वारा दिए गए स्पष्ट आदेश के बावजूद उन्हें सिर्फ चपाती और दाल दी जा रही है, जो उनके आजीवन जैन आहार के अनुरूप नहीं है। अदालत ने उस समय माना था कि जैन धर्म के अनुयायी को उसके धार्मिक सिद्धांतों के अनुसार भोजन पाने का मौलिक अधिकार है, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद २१ (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) द्वारा संरक्षित है।

हालांकि, शाह के वकील विरल बाबर ने अदालत को सूचित किया कि जेल प्रशासन ने आदेश के पालन में लापरवाही बरती है, जिससे शाह को पोषण की कमी और स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इसे न्यायालय की अवमानना और शाह के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए संबंधित जेल अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की मांग की। अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जेल प्रशासन को आदेश के पूर्ण अनुपालन की हिदायत दी है, ताकि बंदी को उसके धार्मिक अधिकारों और स्वास्थ्य सुरक्षा से वंचित न किया जाए।

मुंबई में महंगे घरों की एक बड़ी वजह: खुद सरकार और स्थानीय निकायों के टैक्स: उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण और दुर्लभ स्वीकारोक्ति करते हुए यह मान लिया है कि राज्य सरकार और स्थानीय निकायों द्वारा लगाए गए कर और शुल्क ही मुंबई जैसे महानगरों में तेजी से बढ़ती आवास लागत के पीछे का एक बड़ा कारण हैं। यह बात खुद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में एक लिखित उत्तर के माध्यम से कही है। शिंदे, जो आवास और शहरी विकास विभाग के भी प्रमुख हैं, ने माना कि सरकार द्वारा लगाई गई विविध वैधानिक लागतें फ्लैटों की कीमतों को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बताया कि आवासीय निर्माण की लागत में जीएसटी, निर्माण श्रमिक उपकर, रॉयल्टी शुल्क, बीमा, और स्थानीय निकायों (विशेष रूप से बीएमसी) द्वारा वसूले जाने वाले बढ़े हुए प्रीमियम शामिल हैं, जो सीधे तौर पर अंतिम बिक्री मूल्य को प्रभावित करते हैं। विधायक सतेज पाटिल, भाई जगताप, अभिजीत वंजारी और अन्य १३ विधायकों द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में शिंदे ने स्पष्ट किया कि आवास परियोजनाओं में करीब ३० प्रतिशत लागत अंतर देखा जा रहा है यानी निर्माण लागत और बाजार मूल्य के बीच का बड़ा अंतर, जिसका एक हिस्सा सरकारी शुल्कों की वजह से है। यह बिल्डरों को अप्रत्यक्ष रूप से अत्यधिक लाभ दिला रहा है।

रेडी रेकनर दरें भी एक मुद्दा

इस चर्चा के दौरान, रेडी रेकनर **(RR)** दरों में हालिया बढ़ोतरी का भी मुद्दा उठाया गया। शिंदे ने कहा कि २०२२-२३ के बाद पहली बार २०२४ में मुंबई की रेडी रेकनर दरों में ४.३९ प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि **RR** दरें बाजार दरों से काफी कम होती हैं, लेकिन इनकी वृद्धि भी स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन चार्ज को बढ़ाकर मकानों को महंगा बनाती है।

म्हाडा का सस्ता विकल्प: हालांकि शिंदे ने यह भी बताया कि म्हाडा (म्हाड़ा) जैसी सरकारी एजेंसियां सस्ती दरों पर आवास उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि २०२४ में मुंबई में २,०३० म्हाडा फ्लैट्स ऐसे बेचे गए जो मौजूदा बाजार दरों से ३० प्रतिशत से ४० प्रतिशत कम कीमत पर थे। यह सरकार के किफायती आवास उपलब्ध कराने के प्रयासों को दर्शाता है। यह स्वीकारोक्ति कि खुद सरकार और स्थानीय निकाय फ्लैट की कीमतों में भारी बढ़ोतरी का एक कारण हैं, बेहद अहम है। इससे आवास संकट के समाधान में सरकारी नीतियों की भूमिका पर सवाल उठता है।

एसटी पास सीधे आपके स्कूल में: प्रताप सरनाईक ने दी जानकारी, 15 दिनों में 5.21 लाख विद्यार्थियों को लाभ

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में १६ जून से लागू विशेष अभियान 'एसटी पास सीधे आपके स्कूल में' के तहत राज्य के लाखों विद्यार्थियों को सीधे उनके स्कूल और कॉलेजों में एसटी बस पास वितरित किए जा रहे हैं। परिवहन मंत्री तथा एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने विधानसभा में जानकारी देते हुए बताया कि सिर्फ १५ दिनों यानी १६ से ३० जून २०२५ में कुल ५ लाख २१ हजार ३५४ विद्यार्थियों ने इस योजना का लाभ उठाया है।

छात्रों को मिले ६६.६६ प्रतिशत की छूट वाले रियायती पास

सरकार ने इस वर्ष स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों को एसटी यात्रा के मासिक पास पर ६६.६६ प्रतिशत की रियायत दी है। इस स्कीम के तहत विद्यार्थियों को केवल ३३.३३ प्रतिशत शुल्क अदा करना होता है। इस योजना के अंतर्गत १ लाख ६१ हजार २०४ छात्रों को एसटी कर्मचारियों ने सीधे उनके स्कूलों में जाकर पास वितरित किए।

छात्राओं को निशुल्क पास: पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर योजना

विशेष रूप से १२वीं कक्षा तक की सभी छात्राओं को 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर योजना' के तहत पूरी तरह मुफ्त बस पास वितरित किए जा रहे हैं। पहले इन्हें पास प्राप्त करने के लिए एसटी डिपो में लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था, लेकिन अब ३ लाख ६० हजार १५० छात्राओं को उनके स्कूलों में जाकर निःशुल्क पास वितरित किए गए।

'एसटी पास सीधे आपके स्कूल में' अभियान

इस अभियान के तहत एसटी डिपो प्रबंधकों ने राज्यभर के स्कूलों और कॉलेजों के प्रमुखों को पत्र लिखकर अपने छात्रों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए थे। उसी सूची के आधार पर एसटी कर्मचारी अब संबंधित विद्यालयों में जाकर छात्र-छात्राओं को सीधे पास सौंप रहे हैं, जिससे समय की बचत और सुविधा दोनों सुनिश्चित हो रही है।

स्कूली यात्राएं रद्द न हों: मंत्री का निर्देश

सरनाईक ने इस दौरान एक और अहम निर्देश दिया कि स्कूल बस यात्राएं किसी भी हालत में रद्द नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई आदिवासी और दूरदराज के गांवों में छात्रों के लिए एकमात्र एसटी बस यात्रा उपलब्ध होती है, और उसके रद्द होने पर उन्हें भारी परेशानी होती है। इस स्थिति को देखते हुए सभी डिपो प्रमुखों को स्कूल बस सेवाओं की सतत निगरानी करने और यात्राएं निरंतर चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं।

Indian community's journey in Trinidad and Tobago one of courage: PM Modi

New Delhi: The journey of the Indian community in Trinidad and Tobago is one of courage, Prime Minister Narendra Modi said, emphasising that the hardships their ancestors endured could have "broken even the strongest spirits". Modi made the comments at a community event at the National Cycling Velodrome, Couva, on Thursday.

He arrived in Trinidad and Tobago earlier in the day for a two-day visit.

The prime minister, whose first engagement in the Caribbean nation was with the Indian community, said that it felt completely natural, as "we are part of one family" Trinidad and Tobago has a population of approximately 13 lakh, 45 per cent of whom are of Indian origin. "The journey of the Indian community in Trinidad and Tobago is about courage. The circumstances your ancestors faced could have broken even the strongest of spirits. But they faced hardships with hope. They met problems with persistence," he said.

"They left the Ganga and Yamuna behind but carried the Ramayana in their hearts," he said, calling them messengers of a "timeless civilisation". "The community programme in Port of Spain was spectacular. The energy and warmth of the people made it truly unforgettable. Evidently, our cultural bonds shine brightly!" he said in an X post. In his address, the prime minister stressed that the Indian community members' contribution has benefited Trinidad and Tobago "culturally, economically and spiritually". Citing eminent Indian-origin figures in the country including Prime Minister Kamla Persad-Bissessar and President Christine Carla Kangaloo, he said the descendants of Girmitiyas are no longer defined by struggle, but by their "success, service, and values".

Girmitiyas were indentured labourers from British India transported to work on plantations in Fiji, South Africa, Eastern Africa (namely Mauritius, Seychelles, Tanzania, Kenya, and Uganda), Malaysia, Singapore, and the Caribbean as part of the Indian indenture system.

He added that work is ongoing to create a comprehensive database of the Girmitiya community across the world.

HC dismisses plea seeking use of 'disputed structure' in place of Mathura's 'Shahi Idgah Mosque'

Prayagraj : The Allahabad High Court on Friday dismissed a plea seeking a direction that the word "disputed structure" be used in place of "Shahi Eidgah Mosque" of Mathura. The application was moved with a prayer to direct the stenographer concerned to use the word "disputed structure" in place of "Shahi Idgah Mosque" in the entire further proceedings of this original suit along with other connected matters.

The application was supported by an affidavit of advocate Mahendra Pratap Singh. On the other hand, a written objection was filed on behalf of defendants.

The order was passed by Justice Ram Manohar Narain Mishra hearing a bunch of original suits relating to Krishna Janmabhoomi and Shahi Idgah mosque dispute in Mathura.

The Hindu side has filed 18 suits for possession of land after removal of the structure of Shahi Idgah masjid as well as for restoration of the temple and for permanent injunction. Earlier, at one stage on August 1, 2024, the high court had rejected applications of the Muslim side challenging maintainability of suits of Hindu worshippers and held that all suits of Hindu worshippers are maintainable.

In the August 1 order, the court had also held that these suits are not barred by Limitation Act, Waqf Act and Places of Worship Act,1991, which prohibit conversion of any religious structure as existed on August, 15, 1947. At another stage, on October 23, 2024, the high court had rejected an application moved by the Shahi Idgah mosque committee to recall the high court's January 11, 2024 order consolidating all suits filed in connection with the Shri Krishna Janmabhoomi-Shahi Eidgah dispute at Mathura.

China used India-Pak conflict as 'live lab', used strategy of killing by 'borrowed knife'

New Delhi : China used Pakistan to cause pain to India and it was providing all possible support to its all-weather ally during the four-day conflict between Indian and Pakistani militaries in May, Deputy Chief of Army Staff Lieutenant General Rahul R Singh said on Friday.

In an address at industry chamber FICCI, the senior official said China also used the India-Pakistan conflict like a "live lab" available to test various weapon systems.

Lt Gen. Singh also highlighted China's ancient military strategy of "36 stratagems" and killing the adversary with a "borrowed knife" to buttress the point that Beijing extended all possible support to Pakistan to harm India.

India was actually dealing with three adversaries, he said, suggesting that besides Pakistan and China, Turkiye was also playing a major role in supplying military hardware to Islamabad.

The Deputy Chief of Army Staff, who looks after the Indian Army's capability development and sustenance vertical, said Beijing's support to Islamabad was not surprising as 81 per cent of the military hardware of the Pakistani armed forces are from China.

"He (China) would rather use the neighbour to cause pain (to India) than getting involved in a mudslinging match on the northern border," Lt Gen. Singh said.

"Pakistan was the front face. We had China providing all possible support. And there was no surprise because, if you look at the statistics in the last five years, 81 per cent of the military hardware that Pakistan is getting is all Chinese," he said.

Lt Gen. Singh said Turkiye also played an important role in providing support to Pakistan. "We saw numerous drones coming and landing in the face of war, during the war, along with the individuals who were there," he said.

The Deputy Chief of Army Staff said the "strategic messaging" by the Indian leadership was unambiguous, adding that the planning and selection of targets in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK) was based on a lot of data.

Sebi bans US-based Jane Street from securities mkt; impounds illegal gains of Rs 4,843 cr

New Delhi : Markets regulator Sebi has barred US-based Jane Street Group from the securities markets and directed the group to disgorge unlawful gains of Rs 4,843 crore for allegedly manipulating stock indices through positions taken in derivatives segment.

This could be the highest disgorgement amount ever directed by the Securities and Exchange Board of India (Sebi).

In its interim order, the regulator has debarred JSI Investments, JSI2 Investments Pvt Ltd, Jane Street Singapore Pte Ltd, and Jane Street Asia Trading -- entities collectively referred to as the Jane Street Group -- from trading until further notice, while continuing its investigation.

stablished in 2000, Jane Street Group LLC is a global proprietary trading firm in the financial services industry. It employs more than 2,600 people across five offices in the US, Europe, and Asia, and conducts trading operations in 45 countries.

The Jane Street (JS) Group has come under Sebi's scrutiny for allegedly manipulating index levels in the stock market to earn illegal profits, primarily through the highly liquid Bank Nifty and Nifty index options segments.

An investigation by Sebi revealed that over 21 expiry days between January 2023 and May 2025, the group executed large trades in the underlying cash and futures markets to influence index movements and profit from massive positions in the options market.

Two key strategies were identified-- one involved buying heavily in Bank Nifty stocks and futures in the morning and selling them aggressively in the afternoon to create a softer close, while the other involved concentrated selling or buying in the last two hours of the expiry day to sway index levels.

These actions helped the group earn illegal profits of about Rs 4,843 crore, even as they incurred smaller losses in cash and futures trades, the regulator said.

Sebi also noted that between January 2023 and March 2025, the JS Group recorded substantial trading activity across various segments of the market. The group made gains of Rs 44,358 crore from index options trading, which formed the bulk of their profits.

However, these were partially offset by losses of Rs 7,208 crore in stock futures, Rs 191 crore in index futures, and Rs 288 crore in the cash market.

After accounting for all gains and losses, the JS Group reported a net total profit of Rs 36,671 crore during this period, Sebi noted.

The case stems from media reports in April 2024, which suggested that Jane Street and its related entities may have used unauthorised proprietary trading strategies in the Indian options market.

भाजपाला मिळणार पहिली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष? निर्मला सीतारमण यांच्यासह ह्यहील्ह दोन नावे शर्यतीत

नई दिल्ली।भारतीय जनता पक्षात संघटनात्मक फेरबदल करण्यात येत आहेत. विविध राज्यातील प्रदेशाध्यक्षांच्या निवडी देखील नुकत्याच करण्यात आल्या आहेत. यामध्ये महाराष्ट्राचाही समावेश आहे. दरम्यान, आता लवकरच भाजपाला नवे राष्ट्रीय अध्यक्ष मिळणार असल्याची चर्चा आहे. खरं तर भाजपाच्या राष्ट्रीय अध्यक्षांच्या निवडीला विलंब झाल्याचं बोललं जात आहे. पण पुढच्या काही दिवसांत भाजपाला नवीन राष्ट्रीय अध्यक्ष मिळणार असल्याचं सांगितलं जात आहे. यावेळी भाजपाला महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष मिळणार का? याबाबत राजकीय वतुर्ळात चर्चा सुरु आहेत.

भाजपाला पहिल्यांदा महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष मिळू शकते असं बोललं जात आहे. या संदभार्तील वृत्त सूत्रांच्या हवाल्याने हिंदुस्थान टाईम्सने दिलं आहे. देशभरातील अनेक राज्यात भाजपाला नवीन प्रदेशाध्यक्ष मिळाले आहेत, तसेच अनेक ठिकाणी नवीन कार्यकारिणी देखील तयार करण्यात आलेल्या आहेत. त्यामुळे भाजपाच्या राष्ट्रीय अध्यक्षांच्या निवडणुकीत नवीन कार्यकारिणी महत्वाची ठरण्याची शक्यता आहे. समोर आलेल्या वृत्तानुसार, भाजपाला पहिली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष

मिळणार असल्याची चर्चा असली तरी या पदासाठी नेमकी कोणाची नावे शर्यतीत आहेत? याविषयीची माहिती देखील समोर आली आहे.

भारतीय जनता पक्षाचे विद्यमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा यांनी २०२० पासून पक्षाचे राष्ट्रीय अध्यक्षपद भूषवलं आहे. त्यांचा कार्यकाळ २०२३ मध्ये संपला. मात्र, भाजपाने त्यांचा कार्यकाळ २०२४ पर्यंत वाढवला होता, जेणेकरून त्यांच्या नेतृत्वाखाली लोकसभा निवडणूक लढवली जाईल. आता भारतीय जनता पक्षाचं राष्ट्रीय अध्यक्षपद कोण भूषावेल याबाबत अद्यापही अनिश्चितता आहे. पण समोर आलेल्या वृत्तानुसार अर्थमंत्री निर्मला सीतारमण यांच्यासह आणखी दोन नावांची चर्चा सुरु आहे. त्यामुळे या पार्श्वभूमीवर नेमकी कोणाच्या नावे चर्चेत आहेत? याविषयी थोडक्यात जाणून घेऊयात. भाजपा नेत्या निर्मला सीतारमण या केंद्रांत २०१९ पासून अर्थमंत्री आहेत. भाजपातील सर्वात प्रभावशाली महिला नेत्यांपैकी एक म्हणून निर्मला सीतारमण यांच्याकडे पाहिलं जातं. त्यामुळे त्यांच्याकडे भाजपा अध्यक्षपदाच्या दावेदारांपैकी एक म्हणून पाहिलं जात आहे. दक्षिणेत पक्ष संघटनेतील घसरण पाहता सीतारमण यांची निवड तामिळनाडूमध्ये भाजपासाठी फायदेशीर ठरू शकते. या चर्चा सुरु असतानाच निर्मला सीतारमण यांनी नुकतीच पक्षाच्या मुख्यालयात जेपी नड्डा आणि भाजपाचे सरचिटणीस बीएल संतोष यांची भेट घेतली आहे.

भारतीय जनता पक्षाच्या राष्ट्रीय अध्यक्ष पदासाठी डी.पुरंदेश्वरी यांच्या नावाची देखील चर्चा आहे. आंध्र प्रदेश भाजपाच्या माजी अध्यक्षा डी पुरंदेश्वरी या एक अतिशय अनुभवी नेत्या आहेत. त्यांना मोठा राजकीय अनुभव आहे. तसेच डी.पुरंदेश्वरी या युनायटेड किंग्डम, फ्रान्स, जर्मनी, इटली आणि डेन्मार्कमध्ये ऑपरेशन सिंदूर शिष्टमंडळात देखील सहभागी होत्या.

अमित शाहांच्या समोर एकनाथ शिंदेंची पुण्यात ह्जय महाराष्ट्र, जय गुजरात अशी घोषणा; शेर सादर करत म्हणाले, झुक जाता है..

नई दिल्ली। राज्यात मराठी-हिंदी असा भाषिक वाद पेटला असतानाच उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यांनी पुण्यात केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह यांच्यासमोर जय गुजरात अशी घोषणा दिल्यामुळे आता नवा वाद पेटण्याची शक्यता आहे. पुण्यातील गुजराती समुदायाकडून उभारण्यात आलेल्या जयराज स्पोर्ट्‌र्स व कन्व्हेन्शन सेंटरच्या उद्घाटन कार्यक्रमानिमित्त अमित शाह आणि एकनाथ शिंदे एकाच मंचावर एकत्र आले होते. यावेळी एकनाथ शिंदे यांनी भाषणाच्या शेवटी जय महाराष्ट्र, जय गुजरात, अशी घोषणा दिली. एकनाथ शिंदे यांनी यावेळी २०२२ च्या सत्ताबदलाची पुन्हा एकदा आठवण करून दिली. ते म्हणाले, अमित शाहांच्या रणनीती आणि नेतृत्वाने अशक्य ते शक्य करून दाखवले आहे.

अमित शाह आव्हानांना संधीत बदलतात. त्यांच्या या कार्यक्षमतेचा मी स्वतः अनुभव घेतला आहे. त्यावेळी (२०२२) राज्यात सामान्य माणसाचे सरकार आणणे गरजेचे होते. पंतप्रधान मोदींचे मार्गदर्शन होतेच. पण अमित शाह माज्यामागे पर्वतासारखे ठामपणे उभे होते. सरकार बदलणे

सोपे काम नव्हते. पण जेव्हा देशाच्या, राज्याच्या विकासाचा प्रश्न असतो, तेव्हा अशी पाऊले उचलावी लागतात. यासाठी मी अमित शाहांचे खूप आभार मानतो. त्यांच्यामुळेच आमचे डबल इंजिनचे सरकार जोरात धावत आहे, असेही एकनाथ शिंदे यावेळी म्हणाले. अमित शाह हे गुजराती असले तरी ते महाराष्ट्राचे जावई आहेत. ते होम मिनिस्टर असले तरी त्यांच्या घरातील होम मिनिस्टर आपल्या कोल्हापूरच्या आहेत. त्यामुळे त्यांच्या घरात गुजराती आणि मराठी या दोन्ही भाषा आनंदाने नांदतात. महाराष्ट्र आणि गुजरातने विकास, उद्योग, संस्कृतीच्या क्षेत्रात देशाला नेहमीच दिशा दाखवली आहे, असेही उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे म्हणाले.

जय गुजरातवर शिवसेना शिंदे गटाची पहिली प्रतिक्रिया, उदय सामंतांनी दाखवलं शरद पवारांकडे बोट

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह यांच्या उपस्थितीत जयराज स्पोर्ट्‌र्स व कन्व्हेन्शन सेंटरचा उद्घाटन समारंभ पुण्यात पार पाडला, या कार्यक्रमामध्ये बोलताना उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यांनी जय गुजरातचा नारा दिला. यावर आता राजकीय वतुर्ळातून समिश्र प्रतिक्रिया उमटत आहेत. विरोधकांकडून जय गुजरात घोषणेवरून एकनाथ शिंदे यांच्यावर जोरदार हल्लाबोल करण्यात आला आहे, तर दुसरीकडे यावर आता शिवसेना शिंदे गटाचे नेते उदय सामंत यांची पहिली प्रतिक्रिया समोर आली आहे. फेक नेरेटिव्ह पसरवला जात आहे. हा पक्षाचा किंवा सरकारी कार्यक्रम होता का? हा गुजराथी समाजाचा कार्यक्रम होता. ते जय हिंद जय महाराष्ट्र आणि जय गुजरात असं म्हणाले. मी अखिल भारतीय मराठी नाट्य परिषदेचा अध्यक्ष आहे. तिथे भाषण संपवताना शरद पवार साहेब जय कर्नाटक बोलले होते. काही लोक फेक नेरेटिव्ह पसरवतात, पण त्याचा काही परिणाम होत नाही, असं सामंत यांनी म्हटलं आहे.

दरम्यान पुढे बोलताना ते म्हणाले की, दाओसला जावून 15 लाख 74 कोटींचे टडव केले -या टडव ची अंमलबजावणी झाली पाहिजे, सुलभ परवानगी मिळाली पाहिजे असं मुख्यमंत्री म्हणाले होते. 21 प्रकल्पांना आम्ही जागा दिल्या आहेत. 7 प्रकल्पांना लवकरच जागा देऊ, 46 टडव केले आहेत. आपले राज्य पहिले असे राज्य आहे, जिथे दर दोन महिन्यांनी पाठपुरावा व्हावा या करता टास्क फोर्स गठीत करण्यात आली आहे. 31 जणांची कमिटी आज आम्ही तयार केली आहे, आता दर दोन महिन्यांनी बैठक होईल, असं सामंत यांनी म्हटलं आहे. अमित शहा यांच्या डुप्लिकेट शिवसेनेचे खरे रूप आज बाहेर आले! पुण्यात या महाशयांनी अमित शहा समोर जय गुजरात ची गर्जना केली! काय करायचे? ऐशा नरा मोजूनी माराव्या पैजारा हजार माराव्या आणि एक मोजाव्या हा माणूस महाराष्ट्राच्या मंत्रिमंडळात कसा राहू शकतो? असं ट्विट संजय राऊत यांनी केलं आहे.

5-10 नाही, भारताने किती मिसाइल डागली? त्या आकड्याबद्दल पहिल्यांदाच पाक गृहमंत्र्यांची मोठी कबुली

नई दिल्ली। भारताच्या ऑपरेशन सिंदूरनंतर पाकिस्तानचे गृहमंत्री मोहसीन नकवी यांनी पहिल्यांदाच हल्ल्याबद्दल मोठं सत्य सांगितलं आहे. भारताने 7 मे च्या रात्रीपासून पाकिस्तान विरोधात ऑपरेशन सिंदूर राबवलं. समा टीवीनुसार मोहसीन नकवी म्हणाले की, भारताने त्या जागी मिसाइल मारले, जिथे आमचे फायटर जेट्स आणि सैनिक होते. या हल्ल्यात पाकिस्तानच किती नुकसान झालं? त्या बद्दल नकवी बोलले नाहीत. मोहर्रम संदर्भात आयोजित बैठकीत नकवी म्हणाले की, भारताने एकूण 11 मिसाइल्स डागली होती.

ऑपरेशन सिंदूरनंतर पाकिस्तानात सैन्याच खोट कौतुक सुरु आहे. स्वतः पंतप्रधान शहबाज शरीफ या खोट्या कौतुकाच नेतृत्व करतायत. पाकिस्तानी सरकारमधील छोटे-मोठे अधिकारी असीम मुनीरला श्रेय देत आहेत. असीम मुनीर हा जिहादी मानसिकतेचा पाकिस्तानी लष्करप्रमुख आहे. चार दिवसाच्या लढाईत भारताकडून हार झाल्यानंतरही पाकिस्तानने विजयाचे खोटे ढोल बडवले. असीम मुनीरने स्वतःला फिल्ड मार्शल ही पदवी लावून घेतली. भारताने 11 मिसाइल मारल्याची नकवीने कबुली दिली. निश्चितच या कबुलीनंतर पाकिस्तानात आता मोठा गदारोळ होण्याची शक्यता आहे.

7 मे च्या रात्री भारताने पाकिस्तानच्या 9 दहशतवादी तळांवर हल्ला केला. यात लष्करच मुख्यालय मुरीदके, बहावलपूरमध्ये असलेलं जैशच्या मुख्यालयासह 9 ठिकाणी हल्ला करण्यात आला. ही सर्व ठिकाणं उद्धवस्त झाली. जैशचा प्रमुख दहशतवादी मसूद अजहरच्या कुटुंबातील 10 पेक्षा जास्त लोक या स्ट्राइकमध्ये मारले गेले.

लष्करचा सुद्धा भरपूर नुकसान झालं. या स्ट्राइक नंतर पाकिस्तानने भारतावर ड्रोन हल्ला करण्याचा प्रयत्न केला. पण भारताच्या मजबूत एअर डिफेन्स सिस्टिमने हवेतच हे ड्रोन्स नष्ट केले. त्यानंतर भारताने पाकिस्तानी एअरबेस जोरदार हल्ल्यात उद्धवस्त केले. ऑपरेशन सिंदूरमध्ये पाकिस्तानात 100 पेक्षा जास्त दहशतवादी मारले गेले. पाकिस्तानने अधिकृतरित्या याची संख्या 45 सांगितली आहे.

एप्रिल 2025 मध्ये जम्मू-काश्मीरच्या पहलगाम येथे लश्कर आणि रेजिडेंट फ्रंट्सच्या दहशतवाद्यांनी 26 भारतीय पर्यटकांची हत्या केली. या हल्ल्यातील सर्व दहशतवाद्यांच थेट कनेक्शन पाकिस्तानशी होतं. त्यानंतर भारताने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च केलं.

सैफ अली खान को भोपाल सम्पत्ति विवाद में बड़ा झटका

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान को बड़ा झटका लगा है। भोपाल में नवाब के पुश्तैनी संपत्ति विवाद पर लड का फैसला आया है। नवाब हमीदुल्ला खान के वारिसों की अपील पर लड का फैसला आया है जो बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के पक्ष में जाता नजर नहीं आ रहा है। इससे आगे के लिए उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पुश्तैनी सम्पत्ति से जुड़ा ये मामला बहुत पुराना है और इसपर भोपाल ट्रायल कोर्ट ने 25 साल पहले फैसला सुनाया था। अब इस फैसले को नवाब हमीदुल्ला खान के वारिसों की अपील के बाद रद्द कर दिया गया है। मामला भोपाल में 1500 करोड़ रुपए की सम्पत्ति से जुड़ा है।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सैफ अली खान की इस पुश्तैनी सम्पत्ति से जुड़े विवाद में अब महत्वपूर्ण फैसला सुना दिया है। कोर्ट के मुताबिक भोपाल ट्रायल कोर्ट का 25 साल पुराना फैसला रद्द कर दिया गया है और इसमें नए सिरे से सुनवाई का आदेश भी दे दिया है। इसके लिए कोर्ट ने एक साल का समय दिया है। ताकि जल्द से जल्द अन्य वारिसों को भी न्याय मिल सके। ये पैतृक संपत्ति नवाब की बड़ी बेगम की बेटी साजिदा सुल्तान को दे दी गई थी जो सैफ अली खान की परदादी थीं। लेकिन बाकी वारिसों ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के मुताबिक संपत्ति के बंटवारे की मांग उठाई है और इसे पूरी पारदर्शिता के साथ करने की विनती की है। सैफ अली खान से जुड़ी सम्पत्ति विवाद की बात करें तो 25 साल पहले बेगम सुरैया, नवाबजादी कमर ताज राबिया सुल्तान,नवाब मेहर ताज साजिदा सुल्तान और बेगम मेहर ताज नवाब साजिदा सुल्तान ने साल 2000 में हाई कोर्ट में अपील दायक की थी। ये मामला अरबों की सम्पत्ति का है जिसमें हजारों एकड़ की जमीन समेत अहमदाबाद पैलेस भी शामिल है। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद कोर्ट में सैफ के परिवार की चुनौतियां आने वाले एक साल के लिए बढ़ गई हैं। अब देखने वाली बात होगी कि इसमें कोर्ट क्या सुनवाई करता है।

प्रेग्नेंट हैं सोनाक्षी सिन्हा?

साल 2024 में बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने शादी कर ली थी। वे अपनी शादी की वजह से खूब चर्चा में रही थीं। उन्होंने एक्टर जहीर इकबाल संग सात फेरे लिए। दोनों ही शादी के बाद से क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहे हैं और दोनों को कुछ मौकों पर साथ में भी स्पॉट किया गया है। सोनाक्षी सिन्हा हाल-फिलहाल में जब लाइमलाइट में आईं तो उनको लेकर ये अफवाह भी खूब जोरों पर रही कि वे प्रेग्नेंट हैं। अब एक्ट्रेस ने अपने हसबैंड जहीर इकबाल संग एक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने बताया कि क्यों आखिर उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर इतनी बातें हो रही हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर जहीर इकबाल संग अपनी बातचीत का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। इसमें जहीर उनसे पूछते हैं- क्या तुम भूखी हो। जवाब में सोनाक्षी कहती हैं कि बिल्कुल भी नहीं। तुम मुझे खिलाना छोड़ो। फिर जहीर पूछते हैं कि मुझे लगा ये हॉलीडे था। इसके जवाब में सोनाक्षी कहती हैं कि मैंने अभी-अभी तो तुम्हारे सामने ही खाना खाया है। अब तुम बस करो। इसके बाद जहीर कहते हैं- आई लव यू। जवाब में सोनाक्षी कहती हैं- मैं भी तुमसे बहुत प्यार करती हूं।

जहीर जिस तरह से सोनाक्षी की केयर कर रहे हैं उसे लेकर ही लोगों को ये लग रहा है कि कहीं सोनाक्षी प्रेग्नेंट तो नहीं हैं। लेकिन अब सोनाक्षी ने इस बात का जवाब दे दिया है और बता दिया है कि फिलहाल के लिए तो ऐसा कुछ भी नहीं है। सोनाक्षी और जहीर ने साल 2024 में शादी की थी। इस शादी में खास मेहमान नजर आए थे और इस दौरान की फोटोज भी खूब वायरल हुई थीं। हालांकि घरवालों के खिलाफ जाकर शादी करने की वजह से तनाव का माहौल भी नजर आया था।

सोनाक्षी सिन्हा की बात करें तो एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ के साथ ही प्रोफेशनल लाइफ में भी काफी सामंजस्य बनाकर चल रही हैं।

बहन की सगाई पर इमोशनल हुए अर्जुन

अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने अपने प्रेमी रोहन ठक्कर के साथ सगाई कर ली है। रोहन ठक्कर एक लेखक हैं। निमार्ता बोनी कपूर और दिवंगत मोना शौरी कपूर की बेटी अंशुला ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अपनी सगाई की यह खबर साझा की। दोनों ने न्यूयॉर्क शहर के सेंट्रल पार्क में बेल्वेडियर कैसल के सामने सगाई की। अंशुला ने पोस्ट में बताया कि उनकी मुलाकात ठक्कर से तीन साल पहले एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। इस खास मौके पर अर्जुन कपूर, जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर ने अंशुला को बधाई दी।

फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेस पहने अंशुला तस्वीरों में अपनी डायमंड रिंग दिखाते हुए खुशी से झूम उठीं। तस्वीरों के साथ अंशुला ने एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी प्रेम कहानी का खुलासा किया, जो 2022 की एक रात को शुरू हुई थी। उन्होंने लिखा, हम एक ऐप पर मिले थे। एक मंगलवार को रात 1.15 बजे बात करना शुरू किया। हमने उस सुबह 6 बजे तक बात की। और किसी तरह, तब भी, ऐसा लगा कि किसी ऐसी चीज की शुरूआत हो रही है जो मायने रखती है।

हमेशा सुरक्षा करने वाले बड़े भाई अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक भावनात्मक संदेश पोस्ट किया, "मेरी ज़िंदगी ने उसे हमेशा के लिए पा लिया... आप दोनों के लिए हमेशा खुशियों की कामना @anshulakapoor @rohanthakkar1511. (आज माँ की बहुत याद आई). आप दोनों को प्यार। जान्हवी कपूर ने अपनी खुशी को रोके नहीं रखा, उन्होंने पोस्ट किया,मेरी बहन की सगाई हो गई है। सबसे अच्छे के लिए सबसे अच्छा। खुशी कपूर ने भी अपनी खुशी को अपने प्यारे नोट के साथ दोहराया, मैं आप दोनों से प्यार करती हूँ। मेरी बहन की शादी हो रही है !!!!

300 करोड़ में बन रही Spirit के लिए मेकर्स ने प्रभास के सामने रखी बड़ी शर्त

साउथ सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्मों का इंतजार फैंस को हमेशा से रहता है। साल 2025 में प्रभास अपनी धमाकेदार शुरूआत कर चुके हैं। उनकी फिल्म कन्नप्पा रिलीज हो गई है जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन भी कर दिया है। इस फिल्म के अलावा प्रभास की एक और फिल्म का ट्रेलर आया है। उनकी फिल्म राजा साब का ट्रेलर काफी पसंद किया गया। पहली बार इस फिल्म के जरिए प्रभास एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाले हैं। वहीं इन दोनों फिल्मों के अलावा प्रभास मौजूदा समय में संदी रेड्डी वांगा की अपकमिंग फिल्म स्पिरिट का भी हिस्सा हैं। अब ये पता चल गया है कि इस फिल्म को लेकर और डिटेल्स आई हैं। स्पिरिट फिल्म की बात करें तो अभी फिल्म को लेकर बजट बन चुका है लेकिन इसकी शूटिंग के बारे में ज्यादा डिटेल्स नहीं आई थीं। अब फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय ने ये बता दिया है कि उनकी फिल्म स्पिरिट की शूटिंग कब शुरू होने वाली है। प्रणय के मुताबिक सितंबर 2025 को स्पिरिट की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी और इसकी शूटिंग काफी लंबी भी चलेगी।

साउथ सुपरस्टार प्रभास बड़े पैन इंडिया स्टार हैं और वे मौजूदा समय में भी कई सारे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं। लेकिन स्पिरिट फिल्म के प्रोड्यूसर्स की मांग है कि जब प्रभास स्पिरिट की शूटिंग शुरू करेंगे तो इसके लिए उन्हें पूरी तरह से कमिटेड रहना पडेगा। ऐसे में वे किसी और फिल्म के साथ नहीं जुड़ पाएंगे। इसलिए मेकर्स ने पहले से ही क्लियर कर दिया है कि प्रभास अपने सारे काम निपटाकर इस फिल्म के साथ जुड़ें। फिहला प्रभास अपने पेंडिंग वर्क्स खत्म कर रहे हैं। इसके बाद वे संदीप रेड्डी वांगा संग स्पिरिट फिल्म से जुड़ जाएंगे। इसके लिए उन्हें काफी ट्रेनिंग की भी जरूरत होगी। स्पिरिट फिल्म की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का बजट 300 करोड़ रुपए का है। मेकर्स भी इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं। फिल्म में उनके अपोजिट तृप्ति डिमरी नजर आएंगी। पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को स्पिरिट में लीड एक्ट्रेस के तौर पर शामिल किया गया था। लेकिन कुछ मुद्दों पर बात ना बन पाने की वजह से दीपिका फिल्म से अलग हो गईं और तृप्ति डिमरी को पहली बार प्रभास के अपोजिट काम करने का मौका मिल गया।

वेट वाइप्स का इस्तेमाल करते समय भूलकर न करें ये गलतियां, वरना स्किन को हो सकता है नुकसान

फेस पर जमी धूल-मिट्टी, पसीना और मेकअप को हटाने के लिए कई महिलाएं वेट वाइप्स का इस्तेमाल करती हैं। इसकी मदद से एक झटके में फेस पर जमी गंदगी साफ हो जाती है और चेहरा भी फ्रेश नजर आता है। वेट वाइप्स का इस्तेमाल करते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि इसके इस्तेमाल करते समय अगर आप गलतियां करती हैं, तो स्किन एलर्जी, मुंहासे और जलन समेत कई परेशानियां हो सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वेट वाइप्स के इस्तेमाल के सही तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि इनका इस्तेमाल करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

न रगड़ें फेस

कई महिलाएं वेट वाइप्स का इस्तेमाल करने के दौरान फेस को साफ करने और मेकअप को हटाने के लिए रगड़ती हैं। ऐसा करने से स्किन को नुकसान हो सकता है और जलन की समस्या हो सकती है।

इसका इस्तेमाल हमेशा हल्के हाथों से करना चाहिए।

चेहरे को करें वॉश

वेट वाइप्स का इस्तेमाल करने के बाद फेस को अच्छे से क्लीन करना जरूरी है। क्योंकि यह फेस की ऊपरी गंदगी और मेकअप को साफ करता है। इसलिए इसका इस्तेमाल करने के बाद फेस को किसी माइल्ड क्लींजर या फिर फेस वॉस की सहायता से अच्छे से धोएं।

इसका इस्तेमाल तभी करें, जब फेस को साफ करना जरूरी हो।

सील बंद वाइप्स का इस्तेमाल

खुले हुए वाइप्स का इस्तेमाल करने से स्किन को नुकसान हो सकता है। क्योंकि खुले वाइप्स में बैक्टीरिया पनप सकते हैं और इसकी वजह से स्किन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं खुले वाइप्स सूख जाते हैं, जिस वजह से स्किन को नुकसान हो सकता है।

वेट वाइप्स के पैक को हमेशा बंद रखना चाहिए और पैक को सील बंद कर लें।

न इस्तेमाल करें ये वाइप्स

अल्कोहल फ्री वाइप्स का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे आपकी त्वचा को किसी तरह का नुकसान न हो।

वहीं खुशबू वाले वाइप्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि इसमें केमिकल कम होता है और स्किन पर एलर्जी, जलन और रेडनेस की समस्या हो सकती है।

श्रावण में ऐसे होंगे बाबा के दर्शन

भस्म आरती से लेकर सवारी तक

श्रावण मास में अगर आप बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन जा रहे हैं तो यह खबर आपके लिए काफी जरूरी है क्योंकि विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में इन दोनों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुछ ऐसी व्यवस्था की जा रही है जिसके लिए अब हर सावन सोमवार को बाबा महाकाल अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए रात ढाई बजे जागेंगे। मंदिर में अब तक वही श्रद्धालु भस्म आरती में बाबा महाकाल के दर्शन कर पाते थे जिनके पास भस्म आरती देखने की अनुमति होती थी लेकिन श्रावण मास में देश भर से आने वाले श्रद्धालुओं को बाबा महाकाल के दर्शनों का लाभ मिल सके इसीलिए चलित भस्म आरती की शुरूआत भी श्रावण मास से की जाएगी।

सावन में सुबह ढाई बजे होगी भस्म आरती

विश्व प्रसिद्ध महाकाल मंदिर के प्रशासक प्रथम कौशिक ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि श्रावण मास में बाबा महाकाल के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक अच्छी व्यवस्था की गई है। वर्तमान में भस्म आरती की शुरूआत सुबह 4 बजे से शुरू होती है लेकिन श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को भस्म आरती सुबह ढाई बजे से शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही श्रावण मास के अन्य दिनों में भस्मआरती सुबह 3 बजे से होगी। आपने बताया कि वर्तमान में बाबा महाकाल की भस्म आरती मे 1600 से 1700 श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस व्यवस्था के लिए अब भस्म आरती के दौरान कार्तिक मंडपम को खाली रखा जाएगा। जहां से बड़ी संख्या मे श्रद्धालु पैदल चलते हुए बाबा महाकाल के दर्शनों का लाभ ले पाएंगे।

श्रावण मास दौरान बाबा महाकाल डेढ़ घंटे पहले रात 2:30 बजे जागेंगे। श्रावण मास के दौरान 14, 21, 28 जुलाई व 4 अगस्त को बाबा महाकाल की तड़के ।सुबह ढाई बजे से भस्म आरती की शुरूआत होगी। जब कि सप्ताह के अन्य दिनों पर बाबा महाकाल की भस्म आरती सुबह 3 बजे से होगी। लेकिन फिलहाल अभी बाबा महाकाल की भस्म आरती की शुरूआत सुबह 4 बजे से होती है। उसमें कोई भी परिवर्तन नहीं है।

बाबा महाकाल की निकलने वाली सवारियां

श्रावण-भादौ मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में प्रथम सवारी सोमवार 14

जुलाई, द्वितीय सवारी सोमवार 21 जुलाई, तृतीय सवारी सोमवार 28 जुलाई, चतुर्थ सवारी सोमवार 4 अगस्त को श्रावण मास में निकाली जायेगी। इसी तरह भादौ मास में पंचम सवारी सोमवार 11 अगस्त तथा राजसी (शाही) सवारी सोमवार 18 अगस्त को निकाली जायेगी।

पालकी व्यवस्था में होगा यह बदलाव

श्रावण भादौ मास में निकलने वाली बाबा महाकाल की सवारी के दौरान पुलिस भीड़ नियंत्रण को लेकर पुलिस प्रशासन काफी सतर्क नजर आ रही है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि इस बार सवारी के अच्छे से दर्शन हो जाए यही प्राथमिकता रहेगी। इसलिए सवारी के दौरान ना ही कोई सेल्फी लेगा और ना ही पालकी के नजदीक भी किसी को नहीं जाने दिया जाएगा। इसके लिए अलग से पुलिस टीम गठित की गई है उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी।

चिया सीड्स से निकलने वाले ये पत्ते घर पर उगाएं, बाजार में हैं बेहद महंगे

चिया सीड्स को पानी में भिगोकर लोग इसे अलग-अलग तरीके से डाइट में शामिल करते हैं जैसे ड्रिंक में डालकर, स्मूदी में एड करके या फिर दही और सूप में मिलाकर, क्योंकि चिया सीड्स कई पोषक तत्वों का खजाना होते हैं। तासीर ठंडी होने की वजह से गर्मी में तो इसका सेवन और भी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। हम इस आर्टिकल में बात करेंगे चिया सीड्स के माइक्रोग्रीन की या कहें कि स्प्राउट्स जो थोड़े ग्रो हो जाते हैं। दरअसल जब आप किसी भी तरह की बीज का अंकुरण करते हैं तो उसमें न्यूट्रिशन संबंधी बदलाव आते हैं जो आपकी हेल्थ पर पॉजिटिव असर डाल सकते हैं। माइक्रोग्रीन उगाने के लिए आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी होगी और सुपर हेल्दी चिया सीड्स माइक्रोग्रीन सिर्फ एक हफ्ते में बनकर तैयार हो जाएंगे, जिनकी कीमत सुपर मार्केट्स में काफी ज्यादा होती है।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, चिया सीड्स में अच्छी मात्रा में फाइबर पाया जाता है। इसके अलावा ये ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन के अलावा फेनोलिक कंपाउंड से भी भरपूर होते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ग्लूकोज चयापचय के साथ ही सूजन की समस्या को भी

कम करने में मददगार होते हैं। चलिए जान लेते हैं कि चिया माइक्रोग्रीन को आप कैसे घर पर एक ही हफ्ते में ग्रो कर सकते हैं और किस तरह से डाइट में शामिल किया जा सकता है।

इस तरह से उगाएं चिया माइक्रोग्रीन

-सबसे पहले एक चौड़ा ग्लास कंटेनर ले लीजिए जो ढक्कनदार होना चाहिए।

-ग्लास कंटेनर में टिश्यू पेपर को डबल करके बिछा लीजिए और उसपर पानी से स्प्रे कर लें।

-पानी से नम हो चुके पेपर पर चिया सीड्स को डाल दीजिए, जो एक लेयर जैसी बन जानी चाहिए।

-चिया सीड्स की लेयर पर दोबारा से स्प्रे बोतल से पानी स्प्रे कर दीजिए, फिर 24 घंटों के लिए इसे ग्लास कंटेनर को बंद करके रख दीजिए।

-इसके बाद जब इसमें अंकुरण हो जाए यानी हल्का ग्रीन दिखाई देने लगे तो इसे ओपन रख दें।

-इन चिया सीड्स को दिन में दो या तीन बार पानी देना है, लेकिन बहुत सारा पानी नहीं डालना है। इसपर पानी स्प्रे करें।

-सही देखभाल करेंगे तो कम से कम एक हफ्ते में आपके चिया माइक्रो ग्रीन हार्वेस्ट करने के लिए तैयार हो जाएंगे।

- चिया माइक्रोग्रीन को आप एक शार्प कैंची से काटकर जरूरत के मुताबिक खाने के लिए निकाल सकते हैं।

चिया माइक्रोग्रीन

इस तरह डाइट में करें शामिल

चिया माइक्रोग्रीन को बिना किसी चीज में मिलाए हुए सीधा खा सकते हैं या फिर सलाद में डालकर खा सकते हैं या फिर आप सूप में मिलाकर ले सकते हैं और मसाला ओट्स के साथ भी चिया माइक्रोग्रीन को खाया जा सकता है। ध्यान रखें कि शुरूआत में सिर्फ 20 से 25 ग्राम तक ही चिया माइक्रोग्रीन खाने चाहिए। बाद में आप मात्रा बढ़ा सकते हैं, लेकिन 40 ग्राम से ज्यादा नहीं खाने चाहिए। खाने से पहले माइक्रोग्रीन को धोकर साफ जरूर कर लें।

कला दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट
साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्था

उन्नाव में कांग्रेस कार्यकताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय में सिटी मजिस्ट्रेट को महामहिम राज्यपाल को संबोधित सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि सरकार संवैधानिक मूल्यों की हत्या कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम यह कहता है कि बच्चे नजदीकी विद्यालय में पढ़ें, लेकिन 5000 विद्यालयों के मर्जर के निर्णय से छोटे-छोटे छात्र कहां पढ़ेंगे? इससे गरीब बच्चों का शिक्षा का अधिकार छिन जाएगा और शिक्षा का अधिकार अधिनियम का सीधा उल्लंघन होगा।

बैठक के उपरांत कांग्रेस कार्यकताओं ने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से जुलूस निकालकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट को महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा और आग्रह किया कि ज्ञापन की मूल प्रति महामहिम को प्रेषित की जाए। सिटी मजिस्ट्रेट ने कार्यकताओं को आश्वस्त किया कि ज्ञापन को मूल रूप में महामहिम को भेज दिया जाएगा।

ज्ञापन देने वालों में शहर अध्यक्ष फैज फरुकी, उपाध्यक्ष हनुमत सिंह, चंद्र प्रकाश शुक्ला छून्ना, अनुराग सिंह, अजय गौतम, अमरेंद्र सिंह, कफनधारी, जावेद कमाल, प्रदीप शर्मा, बाबूराम निषाद, विजय अवस्थी, विनय दीप श्रीवास्तव, कमलेश तिवारी, तमय श्रीवास्तव, मनिकांत रावत, अजमेरी खान, जितेंद्र रावत, कंहई कुरील, सुभाष सिंह, सरोज भारती, रामेंद्र बहादुर, अमन कनौजिया, शेरशाह, रईस अहमद, अनीस बाबू समेत कई कांग्रेसजन शामिल रहे।

जनपद में हो रही मूसलाधार बारिश के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने पारीछा डैम का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। जनपद एवं आसपास हो रही लगातार बारिश के चलते बढ़ते जल स्तर और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मंगलवार को जिलाधिकारी श्री मृदुल चौधरी ने पारीछा डैम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बेतवा नदी के जल स्तर की स्थिति देखी और जल भराव से प्रभावित संभावित गांवों की जानकारी ली। अधिशासी अभियंता बेतवा प्रखंड ने बताया कि वर्तमान में जल भराव की स्थिति नहीं है, लेकिन पूरी सतर्कता बरती जा रही है और जल स्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बांध के गेट खोलने की मैन्युअल व्यवस्था का निरीक्षण किया और एक वैकल्पिक गेट को भी देखा, जिसे वर्तमान में क्रियाशील नहीं होने पर तुरंत चालू करने के निर्देश दिए। उन्होंने पारीछा डैम से निकलने वाली कैनाल का भी निरीक्षण कर खरीफ फसलों की सिंचाई हेतु पानी की उपलब्धता की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि नदी किनारे स्थित गांवों में चेतावनी बोर्ड

लगाकर लोगों को सतर्क किया जाए और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारी पूरी तरह सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदारों एवं बाढ़ चौकी प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में बढ़ते जल स्तर पर व्यापक निगरानी रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता बृजेश कुमार पोरवाल, सहायक अभियंता प्रभात कुमार, अवर अभियंता शैलेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शादी की सालगिरह के दिन नवविवाहिता की मौत, परिजनों ने जिला अस्पताल में किया हंगामा, गलत इंजेक्शन और रिश्वत का आरोप

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। गंगाघाट थाना क्षेत्र के सांभर खेड़ा गांव में शादी की पहली सालगिरह पर खुशियां मातम में बदल गईं, जब 21 वर्षीय नवविवाहिता लक्ष्मी पत्नी संदीप की जिला अस्पताल में डिलीवरी के कुछ घंटों बाद संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि डिलीवरी के बाद स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा गलत इंजेक्शन दिए जाने से लक्ष्मी की जान चली गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और स्टाफ पर लगातार पैसे मांगने का आरोप लगाया। जानकारी के अनुसार, लक्ष्मी की शादी 3 जुलाई 2024 को चम्पापुरवा निवासी संदीप से हुई थी और

गुरुवार को उनकी पहली सालगिरह थी। गुरुवार सुबह प्रसव पीड़ा होने पर लक्ष्मी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। शुरू में मां और बच्चे दोनों स्वस्थ बताए गए, लेकिन कुछ देर बाद लक्ष्मी की हालत बिगड़ने लगी। परिजनों ने जब स्टाफ को इसकी जानकारी दी तो एक इंजेक्शन दिया गया, जिसके बाद लक्ष्मी की स्थिति गंभीर हो गई और उसकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि इलाज के हर चरण में स्टाफ ने रुपए मांगे और जब हालत बिगड़ी तो कोई ध्यान नहीं दिया। घटना की सूचना पर परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कर स्थिति को नियंत्रित किया। मृतका के परिजन दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक को मारी टक्कर, बाइक सवार दो की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

डॉ अंशुमान अग्निहोत्री

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। हरदोई-उन्नाव मार्ग पर स्थित दोनों जिलों की सीमा पर बुधवार रात करीब 8 बजे तेज रफ्तार बोलेरो ने सामने से आ रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस ने घायलों को कस्बा गंजमुरादाबाद स्थित सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बाइक चालक साहिल (19) पुत्र सहमुल्ला उर्फ भूरा निवासी भड़वल, थाना मल्लावां, हरदोई को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में इरफान (32) पुत्र मोहम्मद हसन उर्फ अन्नू निवासी नेवादा, थाना मल्लावां और मौसी फखरुन पत्नी स्व. असलम उर्फ कल्लू को जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान इरफान की भी मौत हो गई, जबकि फखरुन की हालत गंभीर होने पर उसे हैलट अस्पताल कानपुर रेफर किया गया।

बताया जाता है कि तीनों रिश्तेदारी से वापस लौट रहे थे। मामा-भांजे की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही मृतक साहिल की मां सखरुन, बहन सना और इरफान की पत्नी शमां व बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

घटनास्थल हरदोई जिले की सीमा में स्थित पाया गया। मौके पर बांगरमऊ और मल्लावां थाना पुलिस पहुंची। बाद में जांच में पता चला कि दुर्घटना स्थल मल्लावां थाने की सीमा में आता है। फिलहाल बांगरमऊ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु उन्नाव भेज दिया। गंजमुरादाबाद चौकी इंचार्ज ऋषि कपूर ने बताया कि पोस्टमार्टम की कार्यवाही पूरी कर ली गई है और आगे की विधिक कार्यवाही थाना मल्लावां हरदोई द्वारा की जाएगी।

नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र पाकर खिले चेहरे

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। सदर विधायक रवि शर्मा द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से चयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आज नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय स्थित सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक रवि शर्मा ने नवनियुक्त कार्यकत्रियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह आपके जीवन का सबसे बड़ा हर्ष का दिन है। आप सभी को पारदर्शी और निष्पक्ष प्रक्रिया से सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि गरीब व जरूरतमंदों की सेवा ही आपका मुख्य उद्देश्य होना चाहिए और किसी भी प्रकार के अनुचित कार्य से दूर रहना चाहिए।

विधायक ने आगे कहा कि युवाओं में पारदर्शी भर्ती व्यवस्था के प्रति बढ़ता विश्वास

हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। आप सभी से उम्मीद है कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधाकर पांडेय ने भी नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई दी और कहा कि आपके कंधों पर समाज के विकास की बड़ी जिम्मेदारी है। आपकी मेहनत से प्रदेश के विकास को नई दिशा मिलेगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बिपिन कुमार मैत्रेय ने जानकारी दी कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का चयन विभाग द्वारा विकसित पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया गया। उन्होंने सभी चयनित कार्यकत्रियों को विभागीय परिवार में शामिल होने पर हार्दिक बधाई दी और उनसे ईमानदारी से कार्य करने की अपील की।

कार्यक्रम का संचालन बाल विकास परियोजना अधिकारी दिनेश सिंह राजपूत ने किया। उन्होंने सभी उपस्थित अतिथियों और नवनियुक्त कार्यकत्रियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विशेष रूप से अध्यक्ष साधन सहकारी समिति तालरमन्ना दिलीप रायकवार, एसीएमओ डॉ. ए. के. जैन, बाल विकास परियोजना अधिकारी ललितपुर देवेंद्र कुमार निरंजन, प्रधान सहायक शशि कुमार कन्नौजिया सहित कई अधिकारी, कर्मचारी, एवं कार्यकत्रियों के परिजन उपस्थित रहे।

बंद कमरे, इस्लाम की तालीम और सऊदी भेजने की तैयारी..

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के फूलपुर से अगवा कर केरल लाई गई दलित लड़की के धर्मांतरण के मामले में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। जानकारी मिली है कि लड़की को उर्दू और इस्लामिक रीति रिवाजों की ट्रेनिंग देने के बाद सऊदी अरब के एक शेख के पास भेजने की तैयारी थी। पुलिस और जांच एजेंसियां अब इस बिंदु पर भी जांच कर रही हैं। केरल के ट्रेनिंग सेंटर से भागकर प्रयागराज आई की दलित लड़की के मामले में जैसे-जैसे पूछताछ आगे बढ़ रही है इसमें नई-नई साजिशें सामने आ रही है। केरल में एक्टिव इस गैंग के काम करने के तौर तरीके की पड़ताल जांच एजेंसियां कर रही हैं।जिसमें एजेंसियां इस बात का पता लगाने की कोशिश में हैं कि क्या सचमें लड़की को देश के बाहर सऊदी अरब भी भेजने की तैयारी की जा रही थी।

जांच एजेंसियां इस पूरे केस में सऊदी अरब भेजने की तैयारी और लड़कियों का उससे पहले धर्मांतरण किया जाना दोनों ही मामले की जांच में जुट गई हैं। एजेंसियां इन दोनों के पीछे की वजह जानने में जुटी हैं। पूंछताछ में पता चला है कि दलित लड़की को वर्किंग वीजा पर सऊदी अरब भेजने की तैयारी की जा रही थी। लड़की की तरफ से जांच एजेंसियों को दी गई जानकारी के मुताबिक ट्रेनिंग सेंटर पर इस वीजा को ह्यखद्दामा वीजाह्न कहा जाता है। दलित लड़की से हुई पूछताछ में यह भी बात सामने आई है कि केरल में ट्रेनिंग में हर वो बात सिखाते थे जो एक मुस्लिम के लिए जरूरी होता है। लड़की ने कोर्ट में पेश कराने के बाद बाल कल्याण समिति वापस जाते समय यह भी बताया कि उसे लड़की को एक छोटे से कमरे में रखा जाता था। बहुत सी लड़कियों को यह ट्रेनिंग दी जाती थी लेकिन आपस में लड़कियों को बात करने में मनाही थी। ट्रेनिंग में उर्दू सीखने और मुस्लिम समाज के कानून कायदों को सीखने पर जोर दिया जा रहा था। एटीएस और विजिलेंस की टीमें लड़की से इससे जुड़े कई बिंदुओं पर बात कर रही हैं। ऐसे में इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस केरल स्टोरी का कोई सऊदी अरब कनेक्शन भी हो।

पत्नी के कहने पर प्रेमी ने मारा, अवैध संबंध के विरोध में मिली ये सजा

संवाददाता

मथुरा । उत्तर प्रदेश के मथुरा में पत्नी ने प्यार के लिए अपने सुहाग की हत्या कर दी। महिला का गुंजार ने शख्स से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। पति गोविंद को जब पत्नी के प्रेम-प्रसंग की जानकारी मिली तो उसने उसका विरोध किया। पति का विरोध करना पत्नी को पसंद नहीं आया और उसने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या का प्लान तैयार किया। महिला के प्रेमी ने धारदरा हथियार से गोविंद की हत्या कर दी। पुलिस ने जांच के बाद गुंजार उर्फ गुलजार को गिरफ्तार कर लिया है। उसने बताया कि प्रेमिका के कहने पर ही उसने गोविंद की हत्या की थी।

पूरा मामला कोसीकलां थाना क्षेत्र के ऐंच गांव का है। एक जुलाई की रात को खेत के पास गोविंद पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। हत्या के आरोपी का मृतक की पत्नी से अवैध संबंध था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने गुरूवार को रात करीब 9 बजे गोविंद की हत्या करने के आरोपी गांव ऐंच के रहने वाले गुंजार पुत्र पुष्कर को चौडरस गांव से हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने मृतक गोविंद की पत्नी और हत्या के आरोपी की कथित प्रेमिका को भी शुक्रवार की सुबह करीब 8 बजे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी गुंजार ने पूछताछ में कहा कि उसका गांव के ही गोविंद की पत्नी के साथ काफी दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

गोविंद को इस बारे में जानकारी हो गई थी। इसी वजह से प्रेमिका के पति गोविंद को रास्ते से हटाने के लिए उसने महिला के कहने पर हत्या की घटना को अंजाम दिया। आरोपी ने बताया कि उनसे 1 जुलाई की रात को कृष्णा भट्ठा के पथेर राजवीर के खेत में धारदार हथियार से हमला कर हत्या की घटना को अंजाम दिया।

मिसाल बनी किसान परिवार की आरती बसवाल : नीट 2025 में 239वीं रैंक लेकर डॉक्टर बनने का सपना किया साकार

संवाददाता

जयपुर। राजस्थान के बूंदी ज़िले की नैनवां तहसील के छोटे से गाँव धनवा की रहने वाली आरती बसवाल, जिन्होंने हिंदी माध्यम से पढ़ाई की, ने यह साबित कर दिया कि अगर जज्बा सच्चा हो, तो संसाधनों की कमी कोई मायने नहीं रखती।

खेती-किसानी पर निर्भर, आर्थिक रूप से सीमित परिवार की इस बेटी ने नीट 2025 में अपनी श्रेणी में ऑल इंडिया 239वीं रैंक प्राप्त की है और अब वह जल्द ही सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिला लेने जा रही है। आरती के पिता श्री राजेश खटीक एक मेहनतकश किसान हैं। परिवार की आजीविका सिर्फ 7-8 बीघा जमीन पर आधारित है, जिससे होने वाली सीमित आमदनी में पूरे परिवार का गुजारा होता है। ऐसे में डॉक्टर बनने जैसा सपना देखना एक असंभव सोच जैसा लगता था लेकिन आरती ने इस सोच को बदलकर रख दिया। उसे प्रेरणा मिली अपने ही गाँव के कन्हैया लाल मीणा से, जिसने कुछ साल पहले मोशन एजुकेशन कोटा से नीट की तैयारी कर एमबीबीएस में चयन पाया था। उसी की सफलता ने आरती के भीतर भी आत्मविश्वास जगाया। उसने भी तय किया कि वह कोटा जाकर मोशन से ही पढ़ाई करेगी। लेकिन आर्थिक परिस्थिति बड़ी बाधा थी। उसने राज्य सरकार की एक योजना में आवेदन किया, मगर एक छोटी सी त्रुटि के कारण उसका फॉर्म अस्वीकृत हो गया। यह पल उसके लिए निराशाजनक हो सकता था, लेकिन आरती ने हार नहीं मानी।

उसने अपनी स्थिति मोशन एजुकेशन कोटा के प्रबंधन को बताई। संस्था ने मानवीयता दिखाते हुए आरती को नाममात्र

शुल्क पर कोचिंग देने का निर्णय लिया। इसके साथ ही उसे मिला श्रेष्ठ मार्गदर्शन, टेस्ट सीरीज, डाउट काउंटर और शानदार स्टडी मटेरियल जिसने उसकी तैयारी को नई दिशा दी। भावुक होते हुए आरती कहती है: ह्लमैं हिंदी माध्यम की छात्रा हूँ। गाँव से हूँ, सीमित साधनों से हूँ लेकिन आज मैंने साबित कर दिया कि अगर मन में ठान लो, तो सफलता को झुकना ही पड़ता है। मेरे घर में आज तक कोई डॉक्टर नहीं बना, लेकिन अब मैं पहली डॉक्टर बनूंगी। मोशन कोटा ने सिर्फ पढ़ाया नहीं, मुझे यह यकीन दिलाया कि मैं कर सकती हूँ।

आरती की यह सफलता न केवल उसके परिवार, गाँव और ज़िले के लिए गर्व की बात है, बल्कि उन हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों, हिंदी माध्यम या ग्रामीण पृष्ठभूमि से होने के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखती हैं।

दुकानदार ने मना किया तो चाकू से कर दिया हमला, हालत गंभीर

संवाददाता

पटना। बिहार में अपराधियों का मनोबल इस कदर बढ़ गया है कि अब मामूली बात पर भी बड़ी घटना को अंजाम दिया जा रहा है। फ्री में मटन नहीं खिलाने पर बदमाश ने एक दुकानदार केशव सिंह को चाकू से गोद दिया। चाकू से हमला करने के बाद आरोपी दुकानदार को घायल अवस्था में छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुकानदार को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुट गई है। दरअसल दिल दहला देने वाली यह घटना नगर थाना क्षेत्र के स्टेशन चौक सब्जी मंडी के पास की है। घायल दुकानदार केशव सिंह ने बताया कि रोज की तरह रात को दुकान बंद कर रहा था। तभी मुकुल कुमार नामक एक युवक आया और फ्री में मटन खिलाने के लिए बोला, लेकिन जैसे ही हमने मटन खत्म होने की बात कही, वैसे ही मुकुल ने चाकू निकाल लिया और ताबड़तोड़ हमला करने लगा। हमला करने के बाद ही मौके से फरार हो गया। आरोपी ने दुकानदार केशव सिंह को तीन से चार चाकू मारे, जिससे वो गंभीर रुप से घायल हो गया। वहीं आरोपी ने दुकान में रखे 12 हजार रुपए भी छीन कर फरार हो गया। घायल दुकानदार ने बताया कि इससे पहले भी आरोपी आए दिन अपने दोस्तों के साथ आता था और फ्री में मटन खा कर चला जाता था। घायल का ईलाज चल रहा है।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, Mob.8898271111 • संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साई बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051,